Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 237 | रविवार, 06 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

शिक्षा में राजनीति का कोई स्थान नहीं: सीएम योगी

सैफई महोत्सव व बग्घी पर खर्च पैसे से संवर सकता था लाखों बच्चों का भविष्य: सीएम योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कि शिक्षा में राजनीति का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। राजनीति के चश्मे से देखने वालों को 2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया आमूलचूल परिवर्तन दिखाई नहीं देगा। उन्होंने प्रदेशभर के शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शिक्षा व्यवस्था में उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाएं। यही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा प्रदेश और देश का भविष्य बनाएगी।

सीएम योगी शनिवार को शिक्षक दिवस पर बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। गोरखपुर में योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित इस समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग के 61 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों (कुल 81) को पुरस्कृत किया गया। सभी शिक्षकों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से पुरस्कृत किया। शिक्षकों को पुरस्कार देते समय सीएम योगी ने उनसे आत्मीय संवाद कर बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विगत साढ़े नौ साल में शिक्षा व्यवस्था में आए सकारात्मक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बेसिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ता लाने का काम वर्ष 2017 से पहले भी हो सकता था। पर, तत्कालीन सरकारों

ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने तंज कसा, ह्यजितना पैसा आप सैफई महोत्सव में खर्च करते थे, उसी में थोड़ा सा पैसा शिक्षा की तरफ डाइवर्ट करते तो लाखों बच्चों का भविष्य बन चुका होता। जितने पैसे में बकिंघम की बग्गी मंगा कर अपना जन्मदिन मनाते थे, उतना पैसा शिक्षा पर खर्च करते, तो बच्चों का भविष्य बनता, पहचान का संकट नहीं आता।ह्

टिप्पणी करना आसान है, कर के दिखाना मुश्किल

मुख्यमंत्री ने शिक्षा पर राजनीति करने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि चुनावी घोषणा अलग बात है, लेकिन स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी बनाना कठिन होता है, यह आज प्रदेश में दिखाई दे रहा है। बयान देना आसान है, लेकिन 1.60 करोड़ बच्चों के अकाउंट में डीबीटी से पैसा पहुंचाना कठिन है और यह हुआ है। संस्कृत की छठी क्लास से लेकर आचार्य तक, बच्चों को स्कॉलरशिप के साथ जोड़ना कठिन था, लेकिन सरकार ने वह भी किया। प्रोजेक्ट अलंकार, ऑपरेशन कायाकल्प से बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में परिवर्तन कठिन था, पर इसे भी किया गया। टिप्पणी करना बहुत आसान है, लेकिन करके दिखाना मुश्किल।

2017 से पहले दंगा-कर्फ्यू व अराजकता का दौर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों को प्रदेश में चार बार शासन करने का अवसर मिला और जिस कांग्रेस को लगभग छह दशक तक यूपी में शासन करने का अवसर प्राप्त हुआ था, वे दोनों प्रदेश की बदलती व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। पुराने जर्जर भवन दरअसल उन्हीं के स्मारक थे, जिन्हें हम रिप्लेस कर चुके हैं, वे शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्न खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। डबल इंजन की सरकार शिक्षा व्यवस्था को एक्सक्लूसिव, अधिक संसाधनपूर्ण तथा पारदर्शी बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। कोई ऐसा शिक्षक नहीं होगा, जिसने नौ वर्ष पहले और आज के उत्तर प्रदेश का परिवर्तन नहीं देखा हो। 2017 से पहले उपद्रव, कर्फ्यू, दंगे व अराजकता के माहौल में स्कूल-कॉलेजों के चलने की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। अब कहीं कोई संकट नहीं। कोई उत्सव से पहले उपद्रव नहीं कर सकता। कल जन्माष्टमी थी। सभी 1586 थानों में, देव मंदिरों में, 75 जनपदों की पुलिस लाइन में, सभी जेलों में, हर मोहल्ले-गांव में इसके आयोजन हुए, लेकिन कहीं कर्फ्यू या दंगे का नाम भी नहीं सुना होगा।

यूपी के शिक्षकों पर अब कोई प्रश्न नहीं

सीएम योगी ने कहा कि आज के उत्तर प्रदेश में कोई शिक्षकों पर प्रश्न नहीं खड़ा करता। जबकि 2017 के पहले ठेके पर नकल होती थी। स्कूल-कॉलेज नकल के अड्डे बन गए थे। युवाओं के सामने पहचान का संकट था और भारत की सबसे बड़ी आबादी का राज्य कठघरे में खड़ा दिखाई देता था। लोग उत्तर प्रदेश में आना नहीं चाहते थे। हमारे युवाओं व शिक्षकों को बाहरी राज्यों में शक की निगाहों से देखा जाता था।

यूपी को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार

सीएम योगी ने यूपी को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार की तरफ भी ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्य के जर्जर विद्यालय भवन का वीडियो झांसी का बताकर चलाया गया। यूपी के शिक्षा जगत को अपमानित करने का प्रयास करने वालों को स्मार्ट क्लास, ऑपरेशन कायाकल्प जैसे व्यापक परिवर्तन दिखाई नहीं देते। लेकिन, हमारी प्रतिस्पर्धा चुनावी घोषणाबाजों से नहीं, समय से है। जिस बच्चे को आप पढ़ा रहे हैं, अगर उसमें चूक हो गई तो उसका बचपन दोबारा नहीं आने वाला। इसलिए सही समय पर सही दिशा में सही निर्णय लेने की आदत होनी चाहिए। शिक्षा के प्रति विश्वास को बनाए रखना सरकार और शिक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। बदलती टेक्नोलॉजी पर हम मौन नहीं रह सकते। हमें एआई, रोबोटिक्स व ड्रोन टेक्नोलॉजी के अनुरूप खुद को तैयार करने की जरूरत है।

टीचर, टैलेंट और ट्रांसफॉर्मेशन को जोड़ा गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए टीचर, टैलेंट और ट्रांसफॉर्मेशन जोड़ा गया। इस ट्रिपल-टी में शिक्षक का सम्मान, विद्यार्थी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और संसाधनों की उपलब्धता पर जोर है। सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18 हजार और अनुदेशकों का 17 हजार रुपये कर दिया है। 5 लाख रुपये कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा और सामाजिक सुरक्षा की भी गारंटी दी गई। बेसिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा से जुड़े हुए सभी शिक्षकों, शिक्षणोत्तर कर्मचारियों व उनके परिवार को 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का काम किया गया। पहली बार सोशल सिक्योरिटी की गारंटी दी गई। हमारा मानना है कि बच्चों का भविष्य गढ़ने वालों का सम्मान पहले होना चाहिए। राज्य अध्यापक पुरस्कार की राशि को 10000 से बढ़ाकर 25000 रुपये किया गया। सेवा मामलों में पारदर्शिता के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट पोर्टल विकसित किया गया। इसी तरह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनेक कार्य किए गए। निपुण भारत अभियान के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं, यह अब पांचवी क्लास तक चलेगा।

करीमनगर में केटीआर के काफिले का भीषण सड़क हादसा

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। करीमनगर में एक जनसभा में जाते समय इफ्र के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव की कार को एक लॉरी ने छू लिया, लेकिन वे बाल-बाल बच गए और उन्हें कोई चोट नहीं आई। यह घटना तब हुई जब KTR अलगुनूर में रुके, जहाँ पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद वे अपनी कार में लौटे और अपनी यात्रा जारी रखी। तभी साथ चल रही एक लॉरी ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी, जिससे कार का एक दरवाजा क्षतिग्रस्त हो गया। उस समय KTR कार के अंदर ही थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। यह घटना ड्ळफको ले जाने वाले या उनके काफिले में चल रहे वाहनों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं की कड़ी में सबसे ताजा मामला है।

पीएम मोदी का एसआरसीसी शताब्दी समारोह में संबोधन: आपके छात्र OGs हैं, हर क्षेत्र में मचाई धूम!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को दिल्ली में श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में हिस्सा लिया और उसे संबोधित किया। शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने कहा कि आज का मौका श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के लिए बहुत ऐतिहासिक है। यह देश के शिक्षा क्षेत्र के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। SRCC से जुड़ी कई पीढ़ियां यहां एक साथ आई हैं। मैं आप सभी को SRCC के शताब्दी समारोह पर बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि अपनी 100 वर्षों की इस यात्रा में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स ने पीढ़ियों को गढ़ा है, उन्हें उज्ज्वल भविष्य से जोड़ा है। जो आए उन्होंने पढ़ा, जो निकले वो गढ़े हुए निकले। मोदी ने कहा कि आज भी, जब दिल्ली यूनिवर्सिटी में कोई पूछता है कि आप किस कॉलेज से हैं, तो बस "SRCC" कह देना ही काफी होता है। सिर्फ."SRCC" कहना ही अपने आप में एक बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि रफ्ळउ के पूर्व छात्र भी बहुत खास रहे हैं। आपकी भाषा में कहूँ तो यहाँ के पूर्व छात्र 'OGs' (असली दिग्गज) हैं। उन्होंने दुनिया भर में SRCC का नाम रोशन किया है और अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है।

मोदी ने कहा कि हमारे अरुण जेटली जी ने यहीं पढ़ाई की थी। और मैं कह सकता हूँ कि शायद ही हमारी कोई ऐसी मुलाकात हुई हो जिसमें उन्होंने SRCC के दिनों का कोई किस्सा न सुनाया हो। कभी-कभी तो मैं थक भी जाता था क्योंकि वे मुझे वही किस्सा बार-बार सुनाते थे। आज भी, संजीव सान्याल, जो मेरी टीम का हिस्सा हैं, SRCC के ही पूर्व छात्र हैं। हमारे कई और साथी भी हैं जिन्होंने यहीं पढ़ाई की है। और ऐसा नहीं है कि SRCC से सिर्फ.अर्थशास्त्र की दुनिया के लोग ही निकले हैं। कलाकारों से लेकर राजनेताओं, वकीलों और जजों तक, हर क्षेत्र के लोग यहाँ से निकले हैं। उन्होंने कहा कि SRCC के छात्र धुरंधर न सही, लेकिन छात्रों ने हर क्षेत्र में धूम मचाई है।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में इस कार्यक्रम, खासकर 2013 में मेरे भाषण की काफी चर्चा हुई है। लोगों ने इसे याद किया, दोबारा सुना और फिर से पढ़ा। हो सकता है कि नई पीढ़ी के लोगों ने भी इसे देखा हो। एक तरह से, मैं कह सकता हूं कि उस भाषण ने एक लहर पैदा कर दी थी। एक लहर सी दौड़ गई थी और आज भी, 13-14 साल बाद, उस सभा और उस भाषण का असर बना हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि शायद लोग उम्मीद कर रहे थे कि वह तत्कालीन केंद्र सरकार पर लंबा और कड़ा हमला करेंगे और उन पर कई आरोप लगाएंगे।

शिक्षक दिवस पर दिल्ली सरकार ने 118 शिक्षकों को दिया राजकीय पुरस्कार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच सितंबर दिल्ली सरकार ने शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर करीब 118 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को राजकीय पुरस्कार से सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार स्कूलों में बुनियादी ढांचे और पाठ्यक्रम से जुड़ी कमियों को दूर कर शहर की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए काम कर रही है। त्यागराज स्टेडियम में शिक्षक महाकुंभ अवॉर्ड कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद शिक्षा को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है, लेकिन इसकी शुरूआत स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने से करनी होगी। गुप्ता ने कहा, हम शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और काफी प्रगति करना चाहते हैं, लेकिन पिछली सरकारों ने 12 साल में कुछ नहीं किया। इसलिए सत्ता में आने के बाद हमें बहुत निचले स्तर से काम शुरू करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार स्कूलों में शौचालयों की मरम्मत, पानी की सुविधाएं उपलब्ध कराने, रखरखाव, सफेदी और अन्य जरूरी मरम्मत कार्यों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, कई स्कूलों में शौचालयों की स्थिति बहुत खराब थी। एक बार मैं एक बहुत अच्छे और प्रतिष्ठित स्कूल के निरीक्षण के लिए गई थी, जिसका पिछली सरकारें काफी तारीफ करती थीं। वहां मैंने देखा कि शौचालय में दरवाजा तक नहीं था। हमारी छात्राएं उसका इस्तेमाल कैसे करती होंगी? मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सरकार पाठ्यक्रम और शिक्षा से जुड़े विषयों पर भी काम कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग और शिक्षा मंत्री आशीष सूद इन मुद्दों पर लगातार काम कर रहे हैं और सुधार हो रहा है।

एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का..., सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण पर अखिलेश यादव का बयान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर ज़िला मजिस्ट्रेट कलेक्ट्रेट परिसर में बनी एक मस्जिद को अदालत के आदेश के बाद गिरा दिया गया। यह कार्रवाई सुबह-सुबह की गई, जिसके बाद सभी पार्टियों की ओर से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। जो लोग दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। यादव ने हुंकार भरते हुए कहा कि एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का अपमान नहीं कर सकता; हमने 'सनातन धर्म' में यही सीखा है... सच्चे सनातनी वे लोग हैं जो सद्भाव को महत्व देते हैं; सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता सद्भाव होनी चाहिए। क्या कोई मुझे बता सकता है कि ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे भगवान श्री राम के लिए आए फंड की चोरी करते हुए पकड़े गए थे... हर कोई जानता है कि इसमें बीजेपी के सदस्य शामिल थे। रक्ळ बनाने और लोगों को जेल भेजने के कदम ने उनकी असलियत सबके सामने ला दी। अखिलेश ने कहा कि जनता अब समझ गई है कि वे किस तरह के लोग हैं। इसीलिए वे जानबूझकर इसे सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। क्या हाई कोर्ट में न्याय नहीं मिल सकता था? क्या वे सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं कर सकते थे? अधिकारियों ने सरकार के कहने पर यह कार्रवाई की, ताकि उन्हें ऊपरी अदालत से न्याय न मिल सके... आप लोगों से न्याय का अधिकार छीन रहे हैं; इसीलिए मैंने कहा कि अब सिर्फ.सौ दिन बचे हैं। यह तोड़-फोड़ की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश और उसके बाद ज़िला अदालत के फैसले के बाद की गई।

केरलम में भयानक हादसा: NH-66 पर खड़ी लॉरी में घुसी कार, 8 इंजीनियरिंग छात्रों की कटी-फटी लाशें देखकर कांप उठे लोग!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

केरलमम। केरलम के त्रिशूर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर शुक्रवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। कैपमंगलम के पनम्बिकुन्नू में सड़क किनारे खड़ी एक लॉरी से कार की भीषण टक्कर में तमिलनाडु के आठ इंजीनियरिंग छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार रात करीब 11.40 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार देर रात जब यह हादसा हुआ, तब लॉरी कैपमंगलम के पनम्बिकुन्नू में नेशनल हाईवे 66 पर खड़ी थी।

उन्होंने बताया कि मरने वाले आठ लोग पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के हैं और माना जा रहा है कि वे स्टूडेंट्स थे। वे शायद गुरुवायूर से कोडुंगल्लूर की ओर जा रहे थे, तभी उनकी गाड़ी लॉरी से टकरा गई।

हादसे के बाद, पुलिस, फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पीड़ितों को बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और अधिकारियों को अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। हालांकि, उन सभी की मौत हो गई थी। बाद में, उनके शवों को त्रिशूर मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में ले जाया गया, और जल्द ही पोस्टमॉर्टम किया जाएगा।

अधिकारियों ने अभी तक मरने वालों की पहचान नहीं बताई है, लेकिन एक बिना कन्फर्म मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ये छात्र तमिलनाडु के डिंडीगुल में PSNA इंजीनियरिंग कॉलेज के थे। पुलिस ने कहा कि जांच के बाद और जानकारी दी जाएगी। त्रिशूर जिले में तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। पिछले महीने भी ऐसा ही एक हादसा हुआ था जब त्रिशूर जिले के कुन्नमकुलम में एक प्राइवेट बस ने कई गाड़ियों को टक्कर मार दी थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। यह हादसा गुरुवार दोपहर को हुआ जब बस ने दूसरी गाड़ी को ओवरटेक करने की कोशिश की लेकिन कंट्रोल खो दिया और कई दूसरी गाड़ियों से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, हादसे में एक कार, एक ऑटोरिक्शा और एक टू-व्हीलर बुरी तरह डैमेज हो गए।

पुलिस ने कहा था, ₹एक व्यक्ति की मौत हो गई है, और कई अन्य घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है।₹ लोकल टीवी चैनलों ने दिखाया था कि बस एक प्राइवेट प्रॉपर्टी के अंदर रुक गई, और फिर एक कंपाउंड की दीवार और गेट से टकरा गई।

संपादक की कलम

बंगाल में भारतीय शिक्षा-दृष्टि को बल देने की अनुकरणीय घोषणा

ललित शर्मा
संपादक

पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख शैक्षणिक प्रकल्प विद्या भारती के कम से कम एक हजार नए विद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य केवल विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की घोषणा नहीं है, बल्कि इसे राज्य की शिक्षा-दृष्टि में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए। 4 सितंबर 2026 को सामने आई इस घोषणा के अनुसार अगले एक वर्ष में राज्य के प्रत्येक जिले, नगरपालिका और पंचायत तक विद्या भारती के विद्यालयों का विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती से जुड़े 313 विद्यालय संचालित होने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री ने विद्या भारती के नेतृत्व को राज्य सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर इस योजना को आगे बढ़ाने का भी निमंत्रण दिया है। यह घोषणा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विद्या भारती आज देश के सबसे बड़े स्वैच्छिक शिक्षा-उपक्रमों में से एक है। विद्या भारती के अपने उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उसका नेटवर्क देशभर में 12,500 से अधिक विद्यालयों तक फैला हुआ है और इनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उसके विद्यालय पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक शिक्षा प्रदान करते हैं तथा खेल, संगीत, कला, विज्ञान, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे क्षेत्रों को भी शिक्षा का हिस्सा मानते हैं। हाल के समाचारों में देशभर में 12,000 से अधिक विद्यालयों और लगभग 10,000 बाल संस्कार केंद्रों का उल्लेख भी हुआ है। आंकड़ों में अंतर अलग-अलग वर्षों और संस्थागत गणना-पद्धतियों के कारण हो सकता है, लेकिन इससे विद्या भारती के व्यापक शैक्षिक विस्तार की तस्वीर स्पष्ट होती है। विद्या भारती की विशेषता केवल यह नहीं है कि वह विद्यालयों की एक बड़ी शृंखला संचालित करती है। उसकी मूल अवधारणा शिक्षा को ज्ञान, संस्कार, चरित्र, राष्ट्रबोध और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की है। संस्था स्वयं अपने उद्देश्य में भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रभावना, आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी को प्रमुखता देती है। ग्रामीण, जनजातीय, सीमावर्ती और अपेक्षाकृत वंचित क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार भी उसके घोषित उद्देश्यों का हिस्सा है। यहीं से पश्चिम बंगाल की नई पहल का व्यापक महत्व सामने आता है। बंगाल भारत की सांस्कृतिक चेतना का एक अत्यंत समृद्ध केंद्र रहा है। रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, रवींद्रनाथ ठाकुर, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय और अनेक महापुरुषों ने भारतीय चिंतन, शिक्षा, साहित्य और राष्ट्रचेतना को नई दिशा दी। इसलिए बंगाल की शिक्षा व्यवस्था में भारतीय ज्ञान, संस्कृति, मातृभाषा, स्थानीय इतिहास और राष्ट्रीय दायित्व को उचित स्थान देना किसी राजनीतिक आग्रह से अधिक व्यापक सांस्कृतिक आवश्यकता के रूप में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी इसी दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रावधान करती है। नीति का उद्देश्य विद्यार्थी में भारतीय होने के प्रति गहरी आत्मगौरव भावना विकसित करने के साथ ज्ञान, कौशल, मूल्यों और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना है। विशेष रूप से उल्लेखनीय यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारतीय ज्ञान परंपरा को शिक्षा से जोड़ने की बात करती है। इसमें भारतीय ज्ञान प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान, पारंपरिक सीखने की पद्धतियों, योग, दर्शन, साहित्य, कृषि, वास्तुकला, चिकित्सा, खेल और अन्य भारतीय योगदानों को वैज्ञानिक एवं प्रामाणिक ढंग से पाठ्यक्रम में स्थान देने की बात कही गई है। नीति यह भी कहती है कि पाठ्यचर्या भारतीय और स्थानीय संदर्भ, संस्कृति, परंपरा, भाषा, भूगोल तथा ज्ञान-परंपराओं से जुड़ी होनी चाहिए।

बच्चों को मारें नहीं, प्यार से सँवारें

किशन भावनानीं

कविता

शरारत में भी छिपा बचपन का उजला संसार,
मार से नहीं सुधरता कोई नन्हा दिलदार।
थोड़ा-सा डाँटें, फिर समझाएँ प्यार से,
गलती को सीख बनाएँ अपने व्यवहार से।

नन्हे कदम हैं, राह अभी अनजानी है,
हर भूल में सीख की एक नई कहानी है।
कठोर शब्द नहीं, अपनापन बरसाइए,
भटके हुए कदमों को प्रेम से राह दिखाइए।

डर से बच्चा चुप होगा, सुधरेगा नहीं,
मार से उसका कोमल मन निखरेगा नहीं।
समझ की रोशनी से अँधेरा मिटाइए,
प्यार की भाषा में अनुशासन सिखाइए।

आज की शरारत कल हुनर बन सकती है,
नन्ही-सी भूल बड़ी खबर बन सकती है।
डाँट में भी स्नेह का स्पर्श बनाए रखिए,
हर बच्चे के भीतर विश्वास जगाए रखिए।

बच्चे तो ईश्वर की प्यारी सौगात हैं,
इनकी मुस्कानों में खुशियों की बरसात हैं।
किशन मार नहीं, प्यार से व्यक्तित्व सँवारें,
डाँटें भी तो प्यार से, ताकि बच्चे निखरें-सँवरें।

सरकारी अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया आचार संहिता

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने लोगों के संवाद करने, सूचना प्राप्त करने और खुद को दुनिया के सामने पेश करने के तरीके को बदल दिया है। जी हां, सरकारी अधिकारी भी इससे अछूते नहीं हैं। सोशल मीडिया, चाहे वह रील्स हों, छोटे वीडियो हों, व्यक्तिगत पोस्ट हों, कहानियां हों या विचार हों, सरकारी कर्मचारियों की दिनचर्या का अभिन्न अंग बन गया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म सरकार और नागरिकों के बीच बेहतर संचार की अपार संभावनाएं प्रदान करते हैं, लेकिन सरकारी अधिकारियों द्वारा इनका अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग प्रशासनिक अनुशासन, निष्पक्षता, जनविश्वास और सार्वजनिक गरिमा से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करता है।

सरकारी अधिकारियों के लिए प्रस्तावित सोशल मीडिया आचार संहिता का मसौदा सही समय पर आया है। सवाल यह नहीं है कि ₹क्या अधिकारियों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए?₹ उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए। सवाल यह है कि सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों को सोशल मीडिया का इस्तेमाल किस तरह करना चाहिए।

सरकारी कर्मचारियों के बीच प्रचलित आचरण के नियम उस युग में लिखे गए थे जब सोशल मीडिया का अस्तित्व नहीं था। जाहिर है, इन नियमों को बनाने वालों ने इनकी कल्पना नहीं की होगी, क्योंकि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के विकास की कल्पना नहीं कर सकते थे जो किसी एक व्यक्ति को पल भर में एक वीडियो प्रकाशित करने की अनुमति देता है, जिसे लाखों लोग देख सकते हैं और लाखों लोगों की राय का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

ड्यूटी के दौरान सोशल मीडिया का उपयोग सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। लोक सेवकों का कार्य सार्वजनिक कार्यों पर काम करना, सार्वजनिक व्यवसायियों की सेवा करना, सार्वजनिक नीतियों को लागू करना और प्रशासनिक दक्षता का प्रबंधन करना है। यदि किसी कर्मचारी का कार्य समय मनोरंजन से संबंधित सामग्री देखने, बनाने या साझा करने में व्यतीत होता है, तो इससे उत्पादकता और अंततः सार्वजनिक सेवा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। सरकार को सोशल मीडिया को अपने कर्तव्यों के निर्वाह में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। यह मान लेना भी गलत होगा कि अधिकारियों की सोशल मीडिया पर की जाने वाली सभी गतिविधियाँ अवांछनीय हैं। सोशल मीडिया अब शासन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गया है। जिला प्रशासक, पुलिस अधिकारी, शिक्षक, स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी जैसे सार्वजनिक अधिकारी सरकारी कार्यक्रमों, आपातकालीन सूचनाओं, जन जागरूकता पहलों और नागरिक सेवाओं के बारे में उपयोगकताओं से जुड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। आपदाओं, महामारियों और अन्य आपात स्थितियों के समय प्रशासन और नागरिकों के बीच त्वरित और प्रत्यक्ष संचार में सोशल मीडिया सहायक हो सकता है। प्रस्तावित संहिता को जिम्मेदार आधिकारिक पत्राचार और वैध उपयोग और दुरुपयोग (जहां यह सार्वजनिक क्षेत्र की गरिमा या निष्पक्षता को कम नहीं करता है) के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। व्यक्तिगत प्रचार भी एक चिंता का विषय है। सरकारी अधिकारी कभी-कभी ऐसी जानकारी प्रकाशित करते हैं जो सरकारी गतिविधियों, जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, प्रशासनिक गतिविधियों या सरकारी कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी को दशार्ती है। नागरिकों को सरकारी कार्यों के बारे में शिक्षित करने और सरकार के प्रतिनिधि के रूप में स्वयं का प्रचार करने के बीच का अंतर स्पष्ट है। लोक प्रशासन व्यक्तिगत ब्रांड बनाने की गतिविधि नहीं है। जब कोई अधिकारी अपनी छवि बनाने की ओर अग्रसर होता है, तो सार्वजनिक सेवा और आत्म-प्रचार के बीच का अंतर धुंधला होने लगता है। सरकारी अधिकारियों को सरकार और नागरिकों द्वारा प्रदत्त शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए उन्हें सार्वजनिक संसाधनों, सरकारी योजनाओं या आधिकारिक पदों का उपयोग व्यक्तिगत प्रसिद्धि के लिए सोशल मीडिया पर प्रचारित नहीं करना चाहिए।

लेकिन, किसी भी सोशल मीडिया आचार संहिता का आधार संवैधानिक मूल्य होने चाहिए। सरकारी कर्मचारी जब सार्वजनिक सेवा में आते हैं तो वे नागरिक बने रहते हैं, और उनकी नागरिकता और लोकतांत्रिक अधिकारों को छीना नहीं जा सकता। उनके कुछ मूलभूत अधिकार होते हैं जिन्हें केवल उनकी सेवा के संदर्भ में ही उचित रूप से प्रतिबंधित किया जा सकता है। कोई भी आचार संहिता जो व्यक्तिगत विचारों की वैध अभिव्यक्ति को प्रतिबंधित करे, आलोचना को हतोत्साहित करे या अधिकारियों को असहज करे, हानिकारक होगी। लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों को बोलने से रोकना नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके लिए ज़िम्मेदार सीमाएँ निर्धारित करना होना चाहिए। अधिकारियों को गोपनीय जानकारी के खुलासे, राजनीतिक प्रचार, अपुष्ट जानकारी साझा करने, घृणास्पद भाषण, उत्पीड़न, हितों के टकराव, आधिकारिक तस्वीरों और लोगो के दुरुपयोग, संवेदनशील दस्तावेजों के खुलासे और सरकारी नीति के अनुचित प्रस्तुतीकरण से संबंधित सभी मुद्दों की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। संहिता में व्यक्तिगत और आधिकारिक बयान के बीच अंतर स्पष्ट करना भी आवश्यक है। यदि कोई नागरिक सरकारी अधिकारी के रूप में व्यक्तिगत बयान देता है, तो उसे सरकार की आधिकारिक आवाज माना जा सकता है, भले ही अधिकारी का इरादा सरकार का प्रतिनिधि बनने का न हो। इसलिए, अस्वीकरण देना, पारदर्शिता बनाए रखना और ज़िम्मेदारी से संवाद करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। साथ ही, अधिकारियों को किसी ऐसे मत के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए जो अलोकप्रिय हो, लेकिन कानूनी हो।

प्रशिक्षण उतना ही महत्वपूर्ण होगा जितना कि नियमन। केवल आचरण नियमों का एक सरल समूह समस्या का समाधान नहीं कर पाएगा। सरकारी विभागों में डिजिटल नैतिकता प्रशिक्षण की आवश्यकता है, विशेषकर उन युवा सरकारी कर्मचारियों के लिए जो स्मार्टफोन और लघु वीडियो प्लेटफार्मों के युग में सार्वजनिक सेवा में प्रवेश कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण में सोशल मीडिया से जुड़े अवसरों और जोखिमों की समझ शामिल होनी चाहिए।

प्रस्तावित सोशल मीडिया संहिता सार्वजनिक प्रशासन की समग्र व्यवस्था को आधुनिक बनाने का भी एक अवसर है। प्रौद्योगिकी को ध्यान भटकाने वाली वस्तु के रूप में देखने के बजाय, इसमें पारदर्शिता, सुगमता और नागरिक सहभागिता को बढ़ाने की क्षमता है, और सरकारों को इसका लाभ उठाना चाहिए।

वर्तमान दौर की सबसे बड़ी महामारी-संस्कारहीन रिश्ते

कृति आरके जैन
लेखिका

वर्तमान समय की सबसे भयावह महामारी अस्पतालों में नहीं, घरों के भीतर पल रही है। इसका न कोई परीक्षण है, न तापमान, न कोई चिकित्सकीय रिपोर्ट। यह चुपचाप रिश्तों में उतरती है और उनकी धड़कनें धीमी कर देती है। इसका नाम है—संस्कारहीन रिश्ते। समाचारों की सुर्खियाँ हत्या, तलाक, पारिवारिक कलह और टूटते घर दिखाती हैं, पर उन घटनाओं के पीछे पसरा वह सन्नाटा नहीं दिखातीं, जहाँ कभी अपनापन साँस लेता था। असली त्रासदी तब होती है, जब अपने ही लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं। संस्कार रिश्तों की रखवाली छोड़ दें तो मकान तो खड़े रहते हैं, कमरे भी भरे रहते हैं—बस घर भीतर से वीरान हो जाता है।

कभी रिश्ते मिट्टी जैसे थे—नरम, लचीले, एक-दूसरे में घुले हुए। संस्कार वह पानी थे, जो बिखरे कणों को जोड़कर परिवार गढ़ते थे। आज वही मिट्टी सूख रही है। अहंकार की एक चुभन, स्वार्थ की एक परत और सुविधा की एक आँधी रिश्तों में दरार डाल देती है। हमने संबंधों को भावनाओं से नहीं, फायदे से तौलना शुरू कर दिया है—सुविधा रही तो रिश्ता रहा, सुविधा गई तो अपनापन भी गया। अदालतों के पारिवारिक विवाद और रोज की सुर्खियाँ इसी बिखराव के कण हैं। सवाल यह नहीं कि रिश्ते क्यों टूट रहे हैं; सवाल यह है कि उन्हें बाँधने वाला संस्कारों का पानी हमारी हथेलियों से कब रिस गया।

आज परिवार एक छत के नीचे रहता है, पर एक-दूसरे के भीतर नहीं उतरता। खाने की मेज पर थालियाँ साथ होती हैं, मोबाइल भी—बस संवाद नहीं होता। बच्चे सवाल लेकर बड़ों तक पहुँचने के बजाय स्क्रीन पर उत्तर खोजते हैं और बुजुर्ग घर में रहकर भी बातचीत से बाहर हो जाते हैं। संस्कार अब व्यवहार में कम, किताबों, भाषणों और त्योहारों की तस्वीरों में अधिक दिखाई देते हैं। फिर किसी दिन खबर आती है—किसी वृद्ध की मृत्यु का पता कई दिनों बाद चला। सुर्खी कुछ पल ठहरती है, मगर उसके पीछे वर्षों का अकेलापन, दरवाजे पर टिकी आँखें और अपनों के स्पर्श को तरसते हाथ छूट जाते हैं। संस्कार जीवित होते तो बुजुर्ग खबर नहीं बनते—घर की सबसे सुरक्षित छाँव बने रहते।

प्रेम अब अपनापन कम, अपेक्षाओं का हिसाब अधिक बनता जा रहा है। इच्छा पूरी हुई तो मुस्कान, टूटी तो शिकायत; अपेक्षा टूटी तो रिश्ता भी डगमगा गया। कभी एक माफी वर्षों का साथ बचा लेती थी, आज एक संदेश, ब्लॉक या अनफॉलो वर्षों की निकटता मिटा देता है। मतभेद समस्या नहीं, संवाद का इम्तिहान हैं; दुख यह है कि हमने मतभेद के बाद बात करना छोड़ दिया। गलती मानना कमजोरी नहीं, रिश्ते की ताकत है; माफी माँगना हार नहीं, प्रेम का साहस। इसीलिए पहला तूफान आते ही रिश्ते की छत उड़ जाती है—उसे थामने वाली संस्कारों की कड़ियाँ पहले ही टूट चुकी होती हैं।

शहरों की चमक हमें उस आँगन से दूर ले गई, जहाँ कभी परिवार साथ बैठता था। दादा-दादी की कहानियाँ किस्से नहीं, धैर्य, क्षमा, त्याग और सम्मान की पाठशाला थीं। आज आँगन की जगह बालकनी, कहानियों की जगह रील्स और साथ की जगह अलग-अलग स्क्रीन हैं। बच्चे तेज भागना सीख रहे हैं, ठहरकर सुनना नहीं। माता-पिता सुविधाएँ जुटाने की दौड़ में बच्चों की आँखों की थकान और मन की चुप्पी पढ़ना भूल रहे हैं। फिर वही बच्चे बड़े होकर माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ देते हैं और यह एक खबर बन जाती है। पर वृद्धाश्रम की राह उस दिन नहीं बनती—उसकी पहली ईंट बहुत पहले घर के भीतर रखी जा चुकी होती है।

इस महामारी का सबसे खतरनाक लक्षण है—उसका दिखाई न देना। न बुखार, न खाँसी, न कोई रिपोर्ट; फिर भी परिवार भीतर से बीमार हो जाता है। आवाजों से अपनापन घटता है, बातचीत औपचारिक होती है और एक ही छत के नीचे लोग अपने-अपने एकांत में सिमट जाते हैं। साथ रहते हुए भी अकेलापन बढ़ता जाता है। समाचार चैनल घटना दिखा सकते हैं, आँकड़े गिना सकते हैं, बहस कर सकते हैं; मगर उस संस्कारहीनता को नहीं पकड़ सकते, जो टूटते रिश्तों की जड़ में पलती है। शायद इसलिए हम सुर्खियों से आगे देखना नहीं चाहते—क्योंकि वहाँ किसी और की कहानी नहीं, हमारा अपना आईना खड़ा है।

फिर भी इस बीमारी का इलाज संभव है, क्योंकि संस्कार कोई पुरानी चीज नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे व्यवहार हैं। इलाज बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होगा। बिना कारण मुस्कुरा देना, किसी की बात बीच में न काटकर सुन लेना, गलती पर माफी माँग लेना, बुजुर्ग के हाथ छूकर आशीर्वाद लेना, बच्चे के सवाल को महत्व देना और क्रोध के क्षण में कठोर शब्द रोक लेना—यही रिश्तों की असली वैक्सीन हैं। रिश्तों की सूखी मिट्टी को फिर से गीला करना होगा। संस्कारों को उपदेशों की दीवार से उतारकर व्यवहार की जमीन पर लाना होगा। घर में थोड़ा समय, थोड़ा धैर्य और थोड़ा अपनापन लौट आए, तो बहुत-से रिश्ते टूटने से पहले ही बच सकते हैं।

शायद अब समय है कि हम सुर्खियों से बाहर निकलकर अपने ही घर को देखें। रिश्ते क्यों टूट रहे हैं, यह पूछने से पहले यह देखना होगा कि उन्हें बचाने के लिए हम अपने भीतर क्या बदल सकते हैं। न्यूज की सुर्खियाँ बदलती रहेंगी, घटनाएँ गुजर जाएँगी; मगर टूटा विश्वास, अकेला बुजुर्ग और भीतर से बुझा रिश्ता खबर बदलने से वापस नहीं आएगा। शुरूआत किसी बड़े अभियान से नहीं, घर की छोटी-सी संवेदना से होगी—किसी अपने को सुन लेने से, रूठे को मना लेने से, बुजुर्ग के पास बैठ जाने से, बच्चे के मन को समझ लेने से और अपनी गलती पर झुक जाने से। क्योंकि रिश्ते बड़े शब्दों से नहीं, छोटे संस्कारों से बचते हैं।

तेल, गैस और युद्ध: 21वीं सदी का सबसे घातक भू-राजनीतिक हथियार, ऊर्जा

एनके शर्मा
लेखक

तेल, गैस और युद्ध—इन तीन शब्दों को यदि 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति के सबसे निर्मम समीकरण में बदला जाए, तो उसके केंद्र में एक ही शब्द दिखाई देता है—ऊर्जा। कभी साम्राज्यों की सीमाएँ सोने और मसालों से तय होती थीं, आज राष्ट्रों की सामरिक शक्ति तेल की धाराओं, गैस पाइपलाइनों, समुद्री मार्गों, बंदरगाहों और ऊर्जा-भंडारों से निर्धारित होती है। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते; वे टैंकरों के रास्तों, पाइपलाइनों के वाल्वों, रिफाइनरियों, विद्युत ग्रिडों और ऊर्जा बाजारों में भी लड़े जाते हैं। इसीलिए ऊर्जा अब अर्थव्यवस्था का ईंधन भर नहीं रही—वह भू-राजनीतिक दबाव, आर्थिक दंड और रणनीतिक वर्चस्व का हथियार बन चुकी है।

यूक्रेन युद्ध ने इस कठोर सत्य को पूरी दुनिया के सामने निर्वस्त्र कर दिया। रूस से यूरोप को मिलने वाली पाइपलाइन गैस में भारी गिरावट ने ऊर्जा को सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बना दिया। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2022-23 के दौरान यूरोप को रूसी पाइपलाइन गैस की आपूर्ति लगभग 120 अरब घन मीटर कम हुई, जिसने वैश्विक गैस और बिजली कीमतों को झकझोर दिया तथा महँगाई और राजनीतिक अस्थिरता को बढ़ाया। ऊर्जा पर निर्भरता अचानक आर्थिक कमजोरी में बदल गई और वही कमजोरी विदेश नीति की विवशता बन गई। यही ऊर्जा-राजनीति आज मध्य-पूर्व में और अधिक भयावह रूप धारण कर चुकी है। होर्मुज जलडमरूमध्य इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का एक विशाल हिस्सा जिस संकरे समुद्री मार्ग से गुजरता है, उसके आसपास युद्ध की लपटें उठते ही तेल और गैस केवल वस्तुएँ नहीं रहते—वे सामरिक बंधक बन जाते हैं। 2026 के मध्य-पूर्व संघर्ष ने इस वास्तविकता को फिर प्रमाणित किया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संकट के दौरान अपने इतिहास का सबसे बड़ा सामूहिक आपात तेल-भंडार हस्तक्षेप करते हुए 400 मिलियन बैरल बाजार में उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। युद्ध की असली मार बमों से पहले बाजार पर पड़ती है। तेल की कीमत बढ़ती है तो परिवहन महँगा होता है; परिवहन महँगा होता है तो खाद्य पदार्थ, दवाएँ, निर्माण सामग्री और दैनिक उपभोग की वस्तुएँ महँगी होती हैं। गैस महँगी होती है तो बिजली उत्पादन, उर्वरक और उद्योग की लागत बढ़ती है। अंततः युद्ध उस देश की सीमा से निकलकर दुनिया के सामान्य नागरिक की रसोई तक पहुँच जाता है, जो उससे हजारों किलोमीटर दूर बैठा होता है। युद्ध का सबसे खतरनाक हथियार कभी-कभी मिसाइल नहीं, वह कीमत होती है जो एक परिवार को रसोई के गैस सिलेंडर या पेट्रोल पंप पर चुकानी पड़ती है। यही कारण है कि तेल उत्पादक राष्ट्र केवल संसाधन-संपन्न देश नहीं रह गए हैं; वे वैश्विक शक्ति-समीकरण के निर्णायक खिलाड़ी बन गए हैं।

दूसरी ओर ऊर्जा-आयातक देश अपनी आर्थिक समृद्धि के बावजूद उस समय असहाय हो सकते हैं, जब समुद्री मार्ग बंद हों, पाइपलाइनें बाधित हों या किसी एक क्षेत्रीय संघर्ष से आपूर्ति टूट जाए। आधुनिक सभ्यता की विडंबना यही है कि डिजिटल युग में प्रवेश करने के बावजूद उसका विशाल औद्योगिक ढाँचा अभी भी ऊर्जा की भौतिक धाराओं पर निर्भर है। लेकिन ऊर्जा हथियार का स्वरूप अब केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं है। विद्युत ग्रिड, परमाणु ऊर्जा संयंत्र, LNG टर्मिनल, तेल रिफाइनरी, समुद्री केबल और डिजिटल नियंत्रण प्रणालियाँ भी युद्ध के संभावित लक्ष्य बन चुकी हैं। ऊर्जा अवसंरचना पर साइबर हमला किसी शहर को बिना एक भी बम गिराए अंधकार में धकेल सकता है। यूरोप में ऊर्जा ग्रिडों पर साइबर हमलों और तोड़फोड़ की आशंकाएँ इसी बदलती युद्ध-प्रणाली की चेतावनी है। इस बदलते परिदृश्य ने एक और कड़वा सत्य उजागर किया है—ऊर्जा की स्वतंत्रता और राष्ट्रीय स्वतंत्रता अब एक-दूसरे से अलग नहीं हैं।

जो राष्ट्र अपनी ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यधिक बाहरी निर्भरता में फँसा है, उसकी विदेश नीति की स्वतंत्रता भी सीमित हो सकती है। प्रतिबंध लगाने वाला राष्ट्र भी तभी प्रभावी है जब उसके पास वैकल्पिक आपूर्ति हो और प्रतिबंध झेलने वाला राष्ट्र तभी टिक सकता है जब उसके पास वैकल्पिक बाजार और मार्ग हों। इसलिए आज पाइपलाइनें केवल पाइपलाइनें नहीं हैं; वे विदेश नीति की नसें हैं। बंदरगाह केवल बंदरगाह नहीं; वे आर्थिक जीवनरेखाएँ हैं। इसी भय ने दुनिया को ऊर्जा-विविधीकरण की ओर धकेला है। सौर, पवन, परमाणु ऊर्जा, विद्युत वाहन, बैटरी और हरित हाइड्रोजन को केवल जलवायु परिवर्तन से लड़ने के औजार के रूप में देखना अधूरा दृष्टिकोण होगा। वे धीरे-धीरे भू-राजनीतिक जोखिम कम करने के साधन भी बन रहे हैं। चीन ने आयातित तेल पर निर्भरता को घटाने के लिए रणनीतिक भंडार, नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत वाहनों और वैकल्पिक आपूर्ति मार्गों पर वर्षों तक निवेश किया; हालिया मध्य-पूर्व संकट ने उसकी इस रणनीति की उपयोगिता को और स्पष्ट किया है। परंतु ऊर्जा संक्रमण भी कोई सरल मुक्ति नहीं है। तेल की जगह यदि दुनिया दुर्लभ खनिजों, बैटरियों, सौर पैनलों, सेमीकंडक्टरों और विद्युत ग्रिडों की कुछ चुनिंदा आपूर्ति-श्रृंखलाओं पर निर्भर हो जाती है, तो ऊर्जा-भू-राजनीति समाप्त नहीं होगी—उसका चेहरा बदल जाएगा। कल की लड़ाई तेल क्षेत्रों के लिए थी; कल की प्रतिस्पर्धा लिथियम, तांबा, कोबाल्ट, निकल, यूरेनियम, चिप्स और ग्रिड तकनीक के लिए हो सकती है। ऊर्जा का साम्राज्यवाद समाप्त नहीं होगा; वह अपना ईंधन बदल सकता है। यही वह बिंदु है जहाँ विश्व व्यवस्था के सामने सबसे गंभीर प्रश्न खड़ा होता है—क्या मानवता ऊर्जा को युद्ध का कारण बनाए रखेगी या उसे सहयोग का आधार बनाएगी?

आज आवश्यकता केवल अधिक तेल, अधिक गैस या अधिक परमाणु संयंत्रों की नहीं है; आवश्यकता ऐसी वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की है जिसमें किसी एक जलडमरूमध्य, एक पाइपलाइन, एक देश या एक युद्ध के हाथों पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था बंधक न बने। ऊर्जा सुरक्षा का अर्थ केवल भंडार भरना नहीं, बल्कि विविध स्रोत, विविध आपूर्तिकर्ता, मजबूत ग्रिड, रणनीतिक भंडार, ऊर्जा दक्षता और विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय सहयोग है। क्एअ के अनुसार पिछले दशकों में अनेक देशों ने आपात तेल भंडार और विविधीकृत ऊर्जा प्रणालियाँ विकसित की हैं, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को अब पूर्णतः ऊर्जा-संकट से सुरक्षित नहीं माना जा सकता। भारत जैसे विशाल और तीव्र गति से विकसित होते देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है। ऊर्जा की कीमत में वैश्विक उछाल का सीधा प्रभाव मुद्रास्फीति, परिवहन, उद्योग, उर्वरक और घरेलू बजट पर पड़ता है। इसलिए भारत की दीर्घकालिक शक्ति केवल अधिक ऊर्जा खरीदने में नहीं, बल्कि ऊर्जा के स्रोतों को अधिकाधिक विविध बनाने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने, नवीकरणीय क्षमता विस्तार करने, रणनीतिक भंडार मजबूत करने और तकनीकी आत्मनिर्भरता विकसित करने में है। अंततः 21वीं सदी का सबसे घातक भू-राजनीतिक हथियार शायद परमाणु बम भी नहीं, बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण है—क्योंकि परमाणु बम विनाश का भय पैदा करता है, जबकि ऊर्जा का हथियार पूरे समाज की जीवन-व्यवस्था को धीरे-धीरे जकड़ सकता है। वह कारखाने रोक सकता है, महँगाई बढ़ा सकता है, सरकारों को झुका सकता है, जनाक्रोश पैदा कर सकता है और युद्ध की सीमा को सैनिक मोर्चे से उठाकर करोड़ों नागरिकों के घरों तक पहुँचा सकता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

शिक्षक दिवस पर सरस्वती इंस्टीट्यूट में शिक्षकों का सम्मान

विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति जताया आभार

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं व्यक्तिगत विकास में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. बरखा गुप्ता, वरिष्ठ सलाहकार डॉ. आर.के. सहगल, डायरेक्टर रघुवर दत्त, जनरल मैनेजर एन. वर्धराजन, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, छात्र प्रतिनिधि, स्वयंसेवक एवं वर्ष 2022 बैच के विद्यार्थी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की थीम 'सेलिब्रेटिंग एंड ऑनरिंग आवर गाइडिंग लाइट्स' रखी गई। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। वर्ष 2022 बैच की छात्राओं ने शिक्षकों के सम्मान में मधुर गीतों की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। समारोह में संकाय सदस्यों के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं संवादात्मक खेलों का भी आयोजन किया गया। शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए कार्यक्रम का आनंद लिया। विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सभी शिक्षकों को उनके समर्पण, मार्गदर्शन एवं योगदान के सम्मान में उपहार भेंट किए गए।कार्यक्रम के सफल आयोजन में छात्र प्रतिनिधियों प्रार्थना, सुमित एवं त्रिशा तथा स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यार्थियों ने कहा कि शिक्षक केवल कक्षा में शिक्षा देने वाले नहीं, बल्कि उनके मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और आदर्श भी होते हैं। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थियों में ज्ञान, अनुशासन, आत्मविश्वास, व्यावसायिक नैतिकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद जलपान का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने आपस में संवाद करते हुए कार्यक्रम के यादगार पलों को साझा किया। इस अवसर पर संस्थान के फाउंडर एवं चेयरमैन डॉ. जे. रामचंद्रन तथा वाइस चेयरपर्सन डॉ. रम्या रामचंद्रन ने सभी संकाय सदस्यों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों के समर्पण एवं महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह सम्मान, कृतज्ञता और उत्साह से परिपूर्ण रहा। विद्यार्थियों की सहभागिता, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मनोरंजक गतिविधियों और शिक्षक सम्मान ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

भारतीय गौरक्षा परिषद ने सिंभावली थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भारतीय गौरक्षा परिषद के प्रदेश अध्यक्ष मोहित चौधरी के नेतृत्व में शनिवार को परिषद के पदाधिकारी एवं गोसेवक थाना सिंभावली पहुंचे। इस दौरान परिषद की ओर से सिंभावली थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद चौधरी को जनपद में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए गौ माता की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष मोहित चौधरी ने कहा कि थाना प्रभारी को गौ माता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं गोवंश संरक्षण से संबंधित मुद्दों से अवगत कराया गया। उन्होंने गोवंश संरक्षण से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई एवं समस्याओं के शीघ्र निराकरण की अपेक्षा जताई। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री प्रदीप रावत, कार्यकर्ता विनीत गोस्वामी, शाहिद सहित परिषद के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस, छात्रों ने केक काटकर गुरुओं से लिया आशीर्वाद

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। कस्बा स्थित बीआईसीटी ग्रुप ऑफ एजुकेशन एवं कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में शनिवार को शिक्षक दिवस का पर्व बेहद हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में अपने गुरुजनों के प्रति भारी उत्साह और आदर का भाव देखा गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की ओर से विशेष रूप से तैयार किए गए केक को काटा गया।इसके बाद बच्चों ने अपने हाथों से शिक्षकों को केक खिलाकर उनका आशीर्वाद लिया। इस पावन मौके पर विद्यार्थियों ने अपने प्रिय शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के उपहार और हस्तनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड भेंट कर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर संस्था निदेशक ने अपने संदेश में बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल अक्षर ज्ञान नहीं देता, बल्कि जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाने का मार्ग दिखाता है।उन्होंने विद्यार्थियों से कड़ी मेहनत करने और गुरुओं के दिखाए रास्ते पर चलकर देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। इसके बाद शिक्षकों ने भी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और जीवन में अनुशासित रहकर सफलता प्राप्त करने की सीख दी। इस भव्य आयोजन के दौरान मुख्य रूप से शिक्षक आकाश मिश्रा, शिवा पाण्डेय, शिव कुमार पांडे, इस्लाम खान, दुर्गेश प्रजापति, वीरेंद्र गिरी, अनामिका मैम, अमृता मैम और गरिमा मैम सहित विद्यालय के तमाम कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जेएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में शिक्षक दिवस समारोह का भव्य आयोजन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों ने बांधा समां, शिक्षकों के योगदान को किया नमन

वेलकम इडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गाजियाबाद। जेएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गाजियाबाद में शिक्षक दिवस के अवसर पर भव्य एवं रंगारंग समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन राकेश सिंघल, जनरल सेक्रेटरी डॉ. हिमांशु सिंघल, निदेशक अनिरुद्ध बिस्वास, प्राचार्य डॉ. प्रवीण गुप्ता, प्रवेश प्रमुख अंकिता चौधरी, प्रवेश प्रमुख शिव शंकर पचौरी तथा कैंपस मैनेजर डॉ. गौरव शर्मा सहित संस्थान के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।समारोह में कॉलेज के प्रबंधन क्लब, तकनीकी क्लब, कंप्यूटर क्लब एवं चिकित्सा क्लब के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, भाषण एवं विभिन्न सांस्कृतिक और मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और भावनाएं व्यक्त कीं। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने समारोह में उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पूरे परिसर में उत्साह, उमंग और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के योगदान एवं उनके मार्गदर्शन को विशेष रूप से सराहा गया।वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण, सही दिशा देने और उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन में मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत के रूप में कार्य करते हैं।समारोह के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। शिक्षक दिवस समारोह ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच आपसी सम्मान, सहयोग एवं आत्मीयता को और मजबूत किया।जेएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित यह शिक्षक दिवस समारोह विद्यार्थियों के लिए यादगार अवसर रहा, जहां उन्होंने अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

शिक्षक दिवस पर आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में शिक्षा पर संवाद, 1000 छात्राओं का हुआ सम्मान

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर (वेलकम इंडिया)। शिक्षक दिवस के अवसर पर गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा क्षेत्र के आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में 'शिक्षा पर संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आशुतोष शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की।इस अवसर पर विद्यालय की करीब 1000 छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं से शिक्षा, उनके सपनों और भविष्य की संभावनाओं को लेकर संवाद किया गया। आशुतोष शर्मा ने छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आने वाला समय छात्राओं का है और बेहतर शिक्षा के माध्यम से वे अपने परिवार, समाज और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। साथ ही शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आशुतोष शर्मा ने विद्यालय की प्रधानाचार्य एवं सभी शिक्षकों का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर में हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु उत्सव

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। शिक्षक दिवस हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य मे मनाया जाता है। कार्यक्रम प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी जीऔर उपप्रधानाचार्या खुशबू कर्णवालजी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी, उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने संयुक्त रूप से डॉ राधा कृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण कर तथा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों को तिलक लगाकर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद लिया।सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गुरु वन्दना से की गई। इसके पश्चात छात्र/छात्राओं ने नृत्य, गीतऔर नाटक के माध्यम से गुरु के महत्व को दिखाया जिसे देखकर सभी मंत्र मुग्ध हो गए।विद्यार्थियों ने शिक्षक के योगदान और उनके महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर बच्चों ने भाषण दिये तथा शिक्षकों के सम्मान में और भी अनेक कार्यक्रम किए । बच्चों द्वारा अपने प्रिय शिक्षकों के लिए विभिन्न फन गेम्स का भी आयोजन किया गया।शिक्षक बच्चों के इन भावों से बहुत प्रभावित हुए और इस दिन को खास बनाने के लिए बच्चों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम के अंत में केक भी काटा गया। अंत में प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षक दिवस गुरु उत्सव के रूप में मनाया जाता है शिक्षक ही बच्चों को सही मार्ग दिखाकर उनके लक्ष्य की ओर ले जाता है।

शिक्षक ही राष्ट्र का निमार्ता है। उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने भी सर्वप्रथम सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि शिक्षक ही हमारे सच्चे मार्ग दर्शक होते हैं जो हमारे जीवन को ज्ञान से रोशन करते हैं। विद्यार्थियों को गुरु का सम्मान करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी शिक्षक/ शिक्षिकाओं को मूवी दिखाई गई और सूक्ष्म जलपान कराया गया जिससे सभी शिक्षक/शिक्षिकाए उत्साहित दिखे। कार्यक्रम को सफल बनानें में एक्टिविटी इंचार्ज मिस्टर अभिलाष, अनीता चौधरी, कॉर्डिनेटर कविता शर्मा, और अन्य कॉर्डिनेटर सूरज, रूपाली, फरहा, डांस शिक्षक ओम व सृष्टि, म्यूजिक शिक्षक नितिन, संजय, फाइन आर्ट इंचार्ज नितिन चौधरी, प्रज्ञा तथा सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

न्यू हैवन इंटर कॉलेज नूरपुर में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

नूरपुर (वेलकम इंडिया)। न्यू हैवन इंटर कॉलेज के प्रबंधक व भारतीय मंसूरी समाज के प्रदेश महासचिव नफीस अहमद मंसूरी ने डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी को माल्यार्पण करने के साथ-साथ शिक्षको को भी सम्मानित किया। उन्होंने डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी के जीवन पर प्रकाश डाला। भारतीय संस्कृति के महान संवाहक प्रख्यात शिक्षाविद दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन जी की जयन्ती पर विद्यालय के समस्त अध्यापको व अध्यापिकाओ ने उन्हे शत शत नमन किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक नफीस अहमद मंसूरी ने कहा कि एक शिक्षक केवल ज्ञान नही देता बल्कि जीवन जीने की सही दिशा और सपनो को पूरा करने का हौसला भी देता है।शिक्षको का मार्गदर्शन विद्यार्थियो के उज्जवल भविष्य की नीव रखता है। उन्होने कहा कि शिक्षको की मेहनत और समर्पण आने वाली पीढियो को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। जो शिक्षक विद्यार्थियो की हर गलती को क्षमा करने की भावना रखता है। उसकी हर कमजोरी दूर कर उसे शिखर तक ले जाता है। वही सच्चा शिक्षक कहलाता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर नफीस अहमद मंसूरी ने शिक्षको को भी सम्मानित किया। इस मौके पर जाकिर हुसैन, अब्दुल कय्युम, इमरान अहमद, अभय त्यागी, वरम सिंह, रणजीत सिंह, कश्मीरी सिंह, इस्लामुद्दीन, आदि शिक्षको ने भी डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन के बारे मे छात्र व छात्राओ को बताया।

शिक्षक दिवस पर 30 शिक्षकों को किया सम्मानित, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर समर्पण, नवाचार एवं शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों के सम्मान कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को अंबेडकर सभागार में किया गया। गोरखपुर के योगीराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह एवं सांस्कृतिक केंद्र से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने देखा। कार्यक्रम में विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन और मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। विधायक विनय वर्मा ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उनके भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मां-बाप के बाद गुरु ही जीवन में सही दिशा दिखाते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि बच्चों का भविष्य शिक्षकों के हाथ में है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सामाजिक रूप से जागरूक बनाना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यालयों में कायाकल्प योजना, स्मार्ट क्लास और हाईटेक कंप्यूटर जैसी सुविधाओं का भी उल्लेख किया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में बेहतर कार्य करने की अपील की। इस दौरान विधायक, जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी और सीडीओ ने 30 शिक्षकों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि रिंकू पाल, पीडी अनिल कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर कृष्ण कथा सुनने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, 'नंद घर आनंद भयो' से गूंजा बढ़नी चाफा

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी चाफा/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के हनुमान चौक पर जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित श्रीकृष्ण कथा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अयोध्या धाम से पधारे शास्त्री विशाल जी महाराज ने अपने मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनके जीवन से जुड़ी कथाओं का रसपान कराया।कथा के दौरान शास्त्री विशाल जी महाराज ने बताया कि अधर्म का नाश और धर्म की स्थापना करने के लिए भगवान विष्णु ने भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में मथुरा के राजा कंस की बहन देवकी के आठवें पुत्र के रूप में श्रीकृष्ण का अवतार लिया था। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का वर्णन होते ही श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। बधाई गीतों के बीच श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ झूमने लगे। इस दौरान पूरा हनुमान चौक और आसपास का क्षेत्र 'नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर कथा का श्रवण किया।

बदनौली फायरिंग कांड में हापुड़ नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (वेलकम इंडिया)। थाना हापुड़ नगर क्षेत्र के ग्राम बदनौली में दो पक्षों के बीच हुए विवाद, मारपीट और फायरिंग के मामले में हापुड़ नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध असलहा और एक कार बरामद की है।जानकारी के अनुसार, बदनौली गांव में किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। देखते ही देखते विवाद मारपीट और फायरिंग में बदल गया। घटना में तीन लोगों को गोली लगी, जिन्हें उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही हापुड़ नगर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए फायरिंग की घटना में संलिप्त 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस द्वारा बरामद अवैध असलहे और कार को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है।

दुधारा थाना में धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्माष्टमी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शुक्रवार को दुधारा थाना परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। थाना दुधारा परिसर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। उपजिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राज शेखर पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा मंदिर में पुलिस परिवार के सदस्यों के साथ विधि-विधान से पूजन कर जन्मोत्सव को परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर दुधारा थाना परिसर में आयोजित भजन संध्या/सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राज शेखर पाण्डेय द्वारा सम्मिलित होकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की दी गई बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम की शुरूआत मधुर श्रीकृष्ण भजनों से हुई, जिनकी पावन ध्वनि से पूरा परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के गगनभेदी जयकारों से पूरे वातावरण को भक्ति रस से भर दिया । श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मंदिर में पूरे विधि-विधान से पूजन कर जन्मोत्सव को परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी के जीवन में हर्षोल्लास, नंदलाल की कृपा से हर घर आँगन में खुशहाली, समृद्धि, सुख और सम्पन्नता, हर हृदय में सत्य, साहस, सिद्धांत, न्याय, कर्मठता, संस्कार, धर्म, कर्म और आत्मबल की भावना का विकास की कामना के साथ प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा, वरिष्ठ उपनि. उदय शंकर द्विवेदी, अनिल मिश्रा, राम सूरत प्रसाद, अभय पाण्डेय, उपनि अभय पाण्डेय, प्रदीप कुमार सिंह, अमर नाथ यादव, नंदा प्रसाद, मोहम्मद तय्यब, शोएब अहमद नदवी, मु. इनामुल्लाह कुरैशी, अब्दुल कलाम, राम लखन गुप्ता, नसीमुद्दीन, राम वृक्ष यादव, मोहम्मद रमजान, सतीश चौधरी, जुल्फेकार अहमद भुट्टो सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्माष्टमी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी रिजर्व पुलिस लाइन जनपद संतकबीरनगर में विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा मंदिर में पुलिस परिवार के सदस्यों के साथ विधि-विधान से पूजन कर जन्मोत्सव को परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रिजर्व पुलिस लाईन संतकबीरनगर में आयोजित भजन संध्या/सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा सम्मिलित होकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की दी गई बधाई एवं शुभकामनाएं जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा कलाकारों को किया सम्मानित गया। कार्यक्रम की शुरूआत मधुर श्रीकृष्ण भजनों से हुई, जिनकी पावन ध्वनि से पूरा परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के गगनभेदी जयकारों से पूरे वातावरण को भक्ति रस से भर दिया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व रिजर्व पुलिस लाइन संतकबीरनगर में विधायक खलीलाबाद, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने पुलिस परिवार के साथ पावन पर्व पर मंदिर में पूरे विधि-विधान से पूजन कर जन्मोत्सव को परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी के जीवन में हर्षोल्लास, नंदलाल की कृपा से हर घर आँगन में खुशहाली, समृद्धि, सुख और सम्पन्नता, हर हृदय में सत्य, साहस, सिद्धांत, न्याय, कर्मठता, संस्कार, धर्म, कर्म और आत्मबल की भावना का विकास की कामना के साथ प्रार्थना की गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीननगर सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पाण्डेय सर्वदवन सिंह, अभयनाथ मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक रामबली यादव, पी0आर0ओ0 पुलिस अधीक्षक मनीष जायसवाल व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण समेत जनपद के सम्मानित जनता/पत्रकार बन्धु मौजूद रहे।

साइबर अपराध से निपटने के लिए दुधारा और मेंहदावल पुलिस को दिया विशेष प्रशिक्षण

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौती से निपटने, पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और ठगी की धनराशि वापस कराने के उद्देश्य से थाना दुधारा और थाना मेंहदावल में विशेष साइबर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। साइबर थाना प्रभारी जयप्रकाश चौबे और साइबर टीम ने दोनों थानों की साइबर टीम एवं संबंधित पुलिसकर्मियों को साइबर अपराध के मामलों में प्रभावी और तकनीकी रूप से मजबूत कार्रवाई के संबंध में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में साइबर अपराध की सूचना मिलते ही की जाने वाली कार्रवाई और समयबद्ध प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों को साइबर ठगी में पीड़ित के खाते से निकली धनराशि को समय रहते ट्रेस और फ्रीज कराने तथा उसे वापस कराने की प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। इसके अलावा लिंकिंग, एमआरएम और जीआरएम की कार्यप्रणाली, तकनीकी माध्यमों के सही उपयोग तथा ठगी की रकम को ट्रैक करने की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज करने, उसकी निगरानी करने और समयबद्ध तरीके से आवश्यक कार्रवाई करने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। साइबर मामलों में प्राप्त डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने, उनका विश्लेषण करने और विवेचना में तकनीकी साक्ष्यों का प्रभावी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए।

बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर ने मनाया डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/सोंख। बाबा कढेरा सिंह विद्या मंदिर में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस, शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रजवल्लित कर तथा डॉ राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। चेयरमैन सुरेश सिंह ने बताया कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान व्यक्ति थे जो दो कार्यकाल तक भारत के पहले उपराष्ट्रपति और उसके बाद देश के दूसरे राष्ट्रपति बने। वो एक अच्छे शिक्षक, दर्शनशास्त्री और लेखक भी थे। विद्यार्थियों के द्वारा शिक्षक दिवस के रुप में 5 सितंबर को भारत में हर वर्ष उनके जन्मदिन को मनाया जाता है। इनका जन्म एक बेहद गरीब ब्राह्मण परिवार में 5 सितंबर 1888 को मद्रास के तिरुतनि में हुआ था। घर की माली हालत के चलते इन्होंने अपनी शिक्षा छात्रवृत्ति की सहायता से पूरी की। विद्यालय के प्रबंध निदेशक गौरव सिंह ने बताया कि डॉ. राधाकृष्णन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गोवडिह स्कूल, तिरुवेल्लूर, लूथरेन मिशनरी स्कूल, तिरुपति, वूरहिज कॉलेज, वेल्लोर और उसके बाद मद्रास क्रिश्चन कॉलेज से प्राप्त की। उन्हें दर्शनशास्त्र में बहुत रुचि थी इसलिये इन्होंने अपनी बी.ए. और एम.ए. की डिग्री दर्शनशास्त्र में ली और 1952 में भारत के पहले उपराष्ट्रपति बने और 1954 में भारत रत्न से सम्मानित किये गये। भारत के उपराष्ट्रपति के रुप में दो कार्यकाल तक देश की सेवा करने के बाद 1962 में भारत के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित किया और 1967 में सेवानिवृत्त हुए। विद्यालय के प्राचार्य रामबाबू, ने प्राचीन समय से लेकर वर्तमान समय तक के गुरु- शिष्य संबंधो पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की गुरु-ज्ञान के द्वारा ही शिष्य अमरत्व प्राप्त करता है, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि देश की संतति यदि अपना प्राचीन गौरव प्राप्त करना चाहता है तो उसे गुरु का सम्मान करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन सुरेश सिंह, प्रबंध निदेशक गौरव सिंह, प्रबंधक प्रहलाद सिंह, बीरपाल प्रधान, जी एस सदानन्द शर्मा, दाऊ जी पंडित, प्राचार्य रामबाबू, शिक्षा प्रभारी एस.वी. सिंह, डॉ अशोक, हेड मास्टर सुरेन्द्र सिंह, कोऑर्डनैटर बिपिनसिंह, चंद्रेश, रामवीर, ओमप्रकाश, रोहताश, योगेश, राकेश रहेजा, रामानंद आदि उपस्थित रहे।

'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान को लेकर बनी रणनीति: रवि चौधरी

मुरादाबाद (वेलकम इंडिया)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला कार्यालय में शनिवार को मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर चर्चा की गई। लखनऊ से आए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शक्ति सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकताओं को पार्टी की नीतियों और मंत्री ओमप्रकाश राजभर की विचारधारा से अवगत कराते हुए संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। बैठक का मुख्य विषय 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' अभियान रहा। प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकताओं की टीम तैयार करने और बूथ प्रभारियों की जिम्मेदारियां तय करने पर विशेष जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष रवि चौधरी ने बताया कि पार्टी पहले से ही बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने का अभियान चला रही है। गांवों और वार्डों में बूथ प्रभारियों सहित संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य चुनाव के समय ही नहीं, बल्कि लगातार जनता से संवाद बनाए रखना और हर गांव, वार्ड व बूथ तक संगठन को मजबूत करना है। बैठक में जनसंपर्क अभियान तेज करने, पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन के विस्तार को लेकर भी दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान आंशिक सिंह, महिला प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष गौरव कुमार, प्रमुख महासचिव अशोक सैनी, महानगर प्रभारी मुशाहिद हसन, विधानसभा अध्यक्ष मोहित ठाकुर, मीडिया प्रभारी डॉ. विशाल वर्धन, जिला प्रचार मंत्री नासिर अली, जिला उपाध्यक्ष अतुल भटनागर, पुलकित शर्मा, पिंटू महानगर उपाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय औधूता में सादगी मनाया शिक्षक दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/चौमुहां। शनिवार को प्राथमिक विद्यालय औधूता के प्रांगण में प्रख्यात शिक्षाविद, पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर समाज सेवी विष्णु सिसोदिया, वरिष्ठ पत्रकार साहूकार शर्मा व जिला प्रशिक्षण कमिश्नर स्काउट व प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सोलंकी ने भारतरत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्रपट पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मथुरा वॉइस नेटवर्क के संस्थापक विष्णु सिसोदिया व उनकी टीम द्वारा शिक्षकों का भव्य व दिव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर युवा समाजसेवी विष्णु सिसोदिया ने कहा कि शिक्षक जीवन का आधार है। हमें हमेशा गुरुओं का सम्मान करना चाहिए। शिक्षक ज्ञान रूपी गंगा से हमारे बच्चों को अभिसिंचित करते हैं। जिला प्रशिक्षण कमिश्नर स्काउट व प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सोलंकी ने कहा कि शिक्षक दिवस का दिन अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व आभार प्रकट करने का दिन है। शिक्षक ही हमारे जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर कर उसे ज्ञान के प्रकाश से पुंजित करते हैं। शिक्षक ही वह सीढ़ी होता है, जिसके दिये ज्ञान से हम कामयाबी की बुलंदिया छूते हैं। दैनिक परिधि समाचार पत्र के सह संपादक साहूकार शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता है। जो देश के लिए कुशल नागरिक तैयार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अन्त में बच्चों को प्रसाद वितरण किया गया, विद्यालय के छात्र छात्राओं व ग्रामवासियों द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीजेपी युवा नेता चन्द्रमोहन, देवेन्द्र सिंह बघेल मुकेश कुमार, रामकृष्ण, सचिन सिंह, श्रीमती वर्षा बघेल, आशाराम, रिषि, बच्चू , विष्णु सिसोदिया, अजय सिसोदिया, सागर सिसोदिया, अमर सिंह, कमल सिंह, गोविन्द सिसोदिया, कप्तान सिंह राघव, मिहीलाल, प्राची, संध्या, ज्योति, हिमांशी, प्रदीप, विपिन, कन्हैया, नेत्रपाल, करन, हेमन्त, लवली, मन्नू, रिषि आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन देवेन्द्र सिंह बघेल ने किया।

शिक्षक दिवस पर विद्यालय में चोरी

मथुरा/गोवर्धन (वेलकम इंडिया)। तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत लालपुर अंतर्गत बिट्ठलनगर स्थित उच्च प्राथमिक कंपोजिट विद्यालय में शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर विद्यालय की कक्षा चार के गेट का कुंदा काटकर अंदर घुसे और बच्चों के लिए लगाए गए दो पंखे चोरी कर ले गए। इसके अलावा बच्चों के बैठने की बेंच भी तोड़ दी गई। विद्यालय से सटे आंगनबाड़ी केंद्र से भी कई सामान चोरी होने की सूचना विद्यालय स्टाफ ने दी है। शनिवार सुबह विद्यालय पहुंचने पर बच्चों ने चोरी की जानकारी स्टाफ को दी। इसके बाद तत्काल 112 पुलिस को सूचना दी गई। साथ ही सौंख पुलिस चौकी और थाना मगोर्रा पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही 112 पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण भी विद्यालय पहुंच गए और चोरी की घटना पर नाराजगी जताई। विद्यालय स्टाफ का कहना है कि इससे पूर्व भी विद्यालय में तीन-चार बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनकी लिखित सूचना थाना मगोर्रा में दी जा चुकी है। शिक्षकों ने कहा कि उमस भरी गर्मी में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए लगाए गए पंखे चोरी हो जाने से परेशानी बढ़ गई है। शिक्षकों ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि शिक्षक दिवस पर उन्हें यह अनोखा 'सरप्राइज' मिला है। अब पुलिस की जांच के बाद ही पता चलेगा कि चोरी की वारदात को गांव या आसपास के लोगों ने अंजाम दिया है अथवा चोर बाहर के हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विद्यालय की प्रधानाध्यापक अर्चना शर्मा के साथ कुसुम लता, मनीषा तेनगुरिया, हेमलता, अदिति शर्मा, संगीता अग्रवाल, महेश चंद शर्मा, श्वेता सिंह, आनंद, रविंद्र कुमार, शिक्षामित्र रामबेटी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर में हुई चोरी की घटना पर दुख और रोष व्यक्त किया।

धूमधाम से विद्यालयों में मनाया गया शिक्षक दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को क्षेत्र के विद्यालयों में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गयी। इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों को उपहार दिये और उनका आशीर्वाद लिये।

क्षेत्र के एएच एग्री. इंटर कालेज उजियार दुधारा, नेशनल इंटर कालेज मूड़ाडिहा बेग, एम. एन. पब्लिक स्कूल सोनौरा गौसी, नूरूल करीम मेमोरियल पब्लिक इंटर कालेज बढ़या माफी सेमरियावॉ, दी शान सेंट्रल एकेडमी दुधारा, दी माडर्न पब्लिक स्कूल दुधारा, जगराम यादव इंटरमीडिएट कालेज हुजुरा सुहावां, किसान इंटर कालेज पचपोखरी, अवध गर्ल्स इंटर कालेज कड़जा, हैप्पी आल पब्लिक स्कूल लोहरौली बाजार सहित क्षेत्र के विद्यालयों में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाई गईं। इस दौरान एएच एग्री. इंटर कालेज उजियार दुधारा के प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी ने कहा कि समाज और व्यक्ति के निर्माण में शिक्षक का महत्व सबसे सर्वोपरि है क्योंकि वे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले मार्गदर्शक होते हैं। शिक्षक छात्रों को सही और गलत का अंतर समझाते हैं तथा उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। केवल किताबी ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, ईमानदारी, सहिष्णुता और मानवीय मूल्यों का विकास करना एक शिक्षक का मुख्य कार्य है। एक योग्य शिक्षक भविष्य की पीढ़ी को तैयार करता है जो देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती है। शिक्षक छात्रों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं ताकि वे जीवन की हर कठिनाई का सामना आसानी से कर सकें। इस अवसर पर मोहम्मद इश्तियाक अंसारी, फसीहुद्दीन, मोहम्मद यूनुस, मुहम्मद शाहिद, कमरे आलम सिद्दीकी, अब्दुस्सलाम, ओबैदुल्लाह, जुबेर अहमद, मोहम्मद परवेज अख्तर, ओजैर अहमद, जुनैद अहमद, हकीमुल्लाह, फखरूद्दीन, सबीह अहमद, असादुल्लाह, रफी अहमद अंसारी आदि मौजूद रहे।

विडावली के उच्च प्राथमिक विद्यालय में नवाचार से निखर रही बच्चों की: अध्यापक वंदना शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/चौमुंहा। उच्च प्राथमिक विद्यालय विडावली में बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार के साथ उनकी प्रतिभाओं को निखारने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं, विज्ञान, गणित, भाषा और पाठ्य सहगामी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सहायक अध्यापक वंदना शर्मा के प्रयासों और समस्त स्टाफ के सहयोग से विद्यालय में कई महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विद्यालय में सभी बच्चों को परिचय पत्र के साथ निर्धारित गणवेश में विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाता है। बच्चों के लिए छात्र दैनन्दिनी की व्यवस्था भी की गई है। सत्र 2026-27 में विद्यालय के छात्र लवकुमार का कक्षा छह में जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए चयन हुआ है। वर्तमान सत्र में सात बच्चे जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। शिक्षकों द्वारा इन बच्चों की प्रतिभा को लगातार तराशने का प्रयास किया जा रहा है।

गणित, विज्ञान और ईवीएस की पाठ्य पुस्तकों से महत्वपूर्ण कांसेप्ट आधारित सामग्री का चयन कर बच्चों के लिए निःशुल्क बुकलेट तैयार कराई गई हैं। इससे विद्यार्थियों को विषयों की अवधारणाओं को समझने में मदद मिल रही है और उनके शैक्षिक स्तर में भी सुधार हुआ है। हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत की कविताओं एवं श्लोकों का संग्रह कर 10 बच्चों की एक टीम तैयार की गई है। यह टीम ब्लॉक और जिला स्तर पर अपनी प्रस्तुति देने के लिए तैयार है। इसके अलावा विद्यालय में पूरे वर्ष शैक्षिक गतिविधियों के साथ विभिन्न पाठ्य सहगामी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

विद्यालय की उपलब्धियों में विज्ञान के क्षेत्र में भी बच्चों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। सत्र 2025-26 में विद्यालय के छात्र राम ने राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत आयोजित विज्ञान क्विज में जिला स्तर पर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया था। गणित के प्रति बच्चों की रुचि बढ़ाने के लिए इस वर्ष विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने गणित ओलंपियाड के लिए आवेदन किया है। वहीं राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा की तैयारी भी बच्चे कर रहे हैं। विद्यालय में बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित रखने के बजाय प्रतियोगी परीक्षाओं और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए तैयार किया जा रहा है। सहायक अध्यापक वंदना शर्मा ने बताया कि विद्यालय का उद्देश्य बच्चों का केवल शैक्षिक विकास करना नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का विकास करना भी है। विद्यालय का समस्त स्टाफ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है।

छाता में तीन चरणों में बनेगा मल्टीयूनिट प्लांट

पहले चरण में एथनॉल, दूसरे में चीनी और तीसरे चरण में बिजली का होगा उत्पादन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। छाता तहसील क्षेत्र में तीन चरणों में मल्टीयूनिट प्लांट स्थापित किया जाएगा। यह जानकारी गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में 120 केएलपीडी क्षमता का एथनॉल प्लांट लगाया जाएगा। गन्ने का शीरा उपलब्ध नहीं होने पर मक्का और धान से भी एथनॉल का उत्पादन किया जाएगा। प्लांट का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

मंत्री ने बताया कि दूसरे चरण में पर्याप्त गन्ना उत्पादन होने पर चीनी मिल और तीसरे चरण में को-जनरेशन प्लांट स्थापित कर बिजली का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना की लागत करीब 200 से 250 करोड़ रुपये होगी और इसे दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्लांट शुरू होने से हजारों लोगों को रोजगार और किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि छाता चीनी मिल को शुरू कराने के लिए छह बार टेंडर प्रक्रिया अपनाई गई, लेकिन किसी ने आवेदन नहीं किया। अब प्रस्तावित प्लांट का संचालन पार्टनरशिप के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निदेशों के क्रम में परियोजना का कार्य जल्द शुरू कराने की तैयारी है। मंत्री ने चीनी मिल के गेट पर धरना दे रहे पूर्व सैनिकों से भी धरना समाप्त कर प्लांट की स्थापना में सहयोग करने का अनुरोध किया।

प्रेसवार्ता में बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह मौजूद रहे। मंत्री ने बताया कि जिले में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा और विभाग की ओर से गन्ने का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में जिला गन्ना अधिकारी समेत 16 कर्मचारी कार्यरत हैं और दो गन्ना क्रय केंद्र संचालित हैं।

एसपी ने 15 पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले, कई थानाध्यक्षों का तबादला

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर ने जिले में कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग को और बेहतर बनाने के लिए 15 पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। जारी आदेश के अनुसार कई निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों को नई जिम्मेदारी दी गई है, जबकि कुछ को गैर जनपद स्थानांतरण के चलते कार्यमुक्त करने के लिए पुलिस लाइन भेजा गया है। आदेश के तहत निरीक्षक मिथिलेश कुमार राय को पुलिस लाइन से प्रभारी एसओजी बनाया गया है। रामकृष्ण मिश्रा को पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक खेसरहा तथा महेंद्र प्रताप चतुर्वेदी को पुलिस लाइन से प्रभारी निरीक्षक बांसी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं त्रिलोकपुर के प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय को पुलिस अधीक्षक का पीआरओ बनाया गया है। उपनिरीक्षक अनूप कुमार मिश्रा को खेसरहा से थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर, चंद्रकांता पांडेय को एसओजी प्रभारी से थानाध्यक्ष कठेला, जनार्दन प्रसाद को पुलिस लाइन से थानाध्यक्ष पथरा बाजार तथा पवन कुमार मौर्य को पुलिस लाइन से थानाध्यक्ष चिल्हिया बनाया गया है। इसके अलावा ओम प्रकाश मिश्रा को थानाध्यक्ष पथरा बाजार से प्रभारी एंटी थेफ्ट टीम, संतोष कुमार सिंह को एंटी थेफ्ट टीम से थाना डुमरियागंज, शशिकांत को पुलिस लाइन से प्रभारी सर्विलांस सेल और हरेंद्र चौहान को सर्विलांस सेल से साइबर क्राइम थाना भेजा गया है।

हाथियों के आतंक से किसान बेहाल, गन्ने-धान की फसल रौंदी

केसरियापुर पहुंची भाकियू की टीम, नुकसान का लिया जायजा; डीएम और वन विभाग को सौंपेगा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के जंगल किनारे बसे गांवों में जंगली हाथियों का आतंक किसानों के लिए मुसीबत बन गया है। हाथियों के झुंड जंगल से निकलकर खेतों में पहुंच रहे हैं और धान व गन्ने की खड़ी फसलों को रौंदकर किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। लगातार हो रहे नुकसान से ग्रामीणों में रोष और चिंता बढ़ती जा रही है।शनिवार को किसानों की समस्या का जायजा लेने भारतीय किसान यूनियन किसान सरकार की टीम केसरियापुर गांव पहुंची। पदाधिकारियों ने प्रभावित किसानों से बातचीत कर हाथियों द्वारा फसलों को पहुंचाए गए नुकसान की जानकारी ली।

किसानों ने बताया कि हाथियों का झुंड अचानक खेतों में घुस आता है और देखते ही देखते बड़े क्षेत्र की फसल बर्बाद कर देता है। रात के समय हाथियों की मौजूदगी के कारण किसान खेतों की रखवाली करने से भी डर रहे हैं।किसानों का कहना है कि जंगल से सटे गांवों में हाथियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। गन्ने की फसल तैयार होने के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। हाथियों से आमना-सामना होने पर जान का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार वन विभाग को सूचना देने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। किसानों से बातचीत करने वालों में जिला अध्यक्ष तोफीक, मंडल अध्यक्ष जलालुद्दीन, प्रदेश अध्यक्ष अरबाज, शाहजहांपुर जिला अध्यक्ष आसाराम चौधरी, संगठन मंत्री राजकुमार और ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद समेत अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

डीएम और वन विभाग को सौंपेंगे ज्ञापन

भाकियू के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कश्यप ने कहा कि किसान भारी लागत लगाकर फसल तैयार करता है, लेकिन हाथियों के झुंड उसे बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो किसान आर्थिक संकट में फंस जाएंगे। संगठन इस मुद्दे को प्रशासन के सामने मजबूती से उठाएगा।उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी और वन विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर जंगल की सीमा पर प्रभावी निगरानी, हाथियों की आवाजाही रोकने के ठोस इंतजाम तथा प्रभावित किसानों की फसलों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने भी चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई न हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

धनपति वर्मा ने विद्यालयों में मनाई डॉ. राधाकृष्णन की जयंती

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई। उन्होंने भैरों खुर्द, दियोरा, बेगपुर और पचपेड़ा गढ़ा स्थित विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता कर डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस दौरान विद्यालयों में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन, उनके विचारों और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व और गुरु-शिष्य परंपरा के बारे में जानकारी दी।धनपति वर्मा ने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का पूरा जीवन शिक्षा, ज्ञान और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व और भविष्य को भी दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज और राष्ट्र की मजबूत नींव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से तैयार होती है।उन्होंने विद्यालयों में शिक्षकों से मुलाकात कर उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने माता-पिता एवं गुरुजनों का सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल उन्हें बेहतर अवसर और उचित मार्गदर्शन देने की है। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और ग्रामीणों ने धनपति वर्मा का स्वागत किया। उन्होंने विद्यालयों की व्यवस्थाओं और विद्यार्थियों की शैक्षिक गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी ली। धनपति वर्मा एडवोकेट, विनोद कुमार वर्मा एडवोकेट, महेश वर्मा, अरमान अली, आकाश गुर्जर,महेंद्र भोजवाल, विजेंद्र सिंह, प्रगट सिंह, तलविंदर सिंह, अजमेर सिंह सहित विद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी एवं क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

बंद विद्यालयों पर सपा का हल्लाबोल, शिक्षक दिवस पर जताया विरोध

2027 में सपा सरकार बनी तो बंद स्कूलों को फिर कराया जाएगा संचालित: सतेन्द्र मौर्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशन में 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र में बंद किए गए प्राथमिक विद्यालयों के विरोध में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सपा नेता एवं पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सतेन्द्र मौर्य ने ग्रामीणों के साथ विद्यालयों के बाहर पहुंचकर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई और भाजपा सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।सतेन्द्र मौर्य ने ग्राम इमामनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय, भूरकोनी स्थित प्राथमिक विद्यालय तथा जगदीशपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर विद्यालयों के बंद होने का मुद्दा शिक्षा व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। कार्यकताओं और ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए बंद विद्यालयों को दोबारा खुलवाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान विद्यालय परिसरों में मौजूद पुलिस प्रशासन से सपा कार्यकताओं की तीखी नोकझोंक भी हुई। हालांकि कार्यकताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया और ग्रामीणों को पार्टी की नीतियों के बारे में जानकारी दी।सतेन्द्र मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से किसान, मजदूर और नौजवान परेशान हैं। महंगाई लगातार आम जनता की मुश्किलें बढ़ा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर बंद किए गए विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर फिर से संचालित कराया जाएगा। साथ ही युवाओं को रोजगार, महिलाओं के लिए 40 हजार रुपये की सहायता तथा बच्चों को पहले की तरह लैपटॉप और छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की बात कही।कार्यक्रम में जिला सचिव अदील अहमद, जिला सचिव हसन खां, नगर उपाध्यक्ष अशोक सैनी, देवकुमार मौर्य, जितेंद्र मौर्य, विकास मौर्य, आकाश मौर्य सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चकोली शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास समिति के वार्षिक छात्रवृत्ति समारोह में 36 विद्यार्थियों का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

धौलपुर। चकोली शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास समिति द्वारा शिक्षक दिवस पर वार्षिक छात्रवृत्ति एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 36 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, समाजसेवा और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय धौलपुर के प्राचार्य डॉ. गिर्राज सिंह मीणा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि वह समाज का आइना होता है। शिक्षक अपनी शिक्षा, आचरण, संस्कार और व्यवहार के माध्यम से आने वाली पीढ़ी के साथ-साथ पूरे समाज की दिशा तय करता है। समाज निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसी कारण समाज में शिक्षक का स्थान सर्वोच्च माना गया है। समारोह में पूर्व वाइस चांसलर डॉ. मनरूप सिंह मीणा ने कहा कि चकोली शैक्षणिक एवं सामाजिक विकास समिति ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। संस्था द्वारा जरूरतमंद और प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने का कार्य सराहनीय है। छात्रवृत्ति जैसे प्रयास विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। डॉ. ए.के. बेरी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षक की जिम्मेदारियां पहले की अपेक्षा और अधिक बढ़ गई हैं। बदलते सामाजिक परिवेश में शिक्षक को विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों की शिक्षा भी देनी चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।पूर्व प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय धौलपुर डॉ. रामराज लाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक स्वयं दीपक की तरह जलकर समाज को रोशनी देने का कार्य करता है। शिक्षक अपने ज्ञान से विद्यार्थियों का भविष्य संवारने के साथ समाज को नई दिशा प्रदान करता है। संस्थापक सदस्य पंडित दुर्गा दत्त शास्त्री ने कहा संस्था पिछले 27 वर्षों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। जिसका उद्देश्य प्रतिभावान एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी समिति अपने सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यों को और व्यापक रूप देगी। डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि उनके पिताजी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो सपना देखा था, उसे परिवार के सभी भाई मिलकर पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और जरूरतमंद प्रतिभाओं को सहयोग उपलब्ध कराना संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। समारोह के दौरान शिक्षा एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को समिति की ओर से सम्मानित किया गया, समारोह में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 36 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं सम्मान प्रदान किया गया। समिति के कोषाध्यक्ष गौरव गर्ग ने पधारे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन रंजीत दिवाकर एडवोकेट एवं अनिल मिश्रा ने किया।

कांग्रेस का जिलाधिकारी कार्यालय में धरना जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। जिला खनिज फाउंडेशन न्यास (डीएमएफ) के करीब 28 करोड़ रुपये के फंड में कथित अनियमितता का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकताओं का जिला कार्यालय में धरना-प्रदर्शन शनिवार को भी जारी रहा। कार्यकताओं ने डीएमएफ फंड के उपयोग से जुड़े अभिलेखों की जांच कर मामले का खुलासा करने की मांग की। कलक्ट्रेट में आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि डीएमएफ की धनराशि खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और जनहित के कार्यों के लिए निर्धारित है, लेकिन आरोप है कि इसका मनमाने तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने करीब 28 करोड़ रुपये के उपयोग की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की।कांग्रेस नेता बसंत कुमार ने डीएमएफ से संबंधित प्रस्ताव, वार्षिक कार्ययोजना, बजट, स्वीकृत कार्यों और खर्च से जुड़े अभिलेखों की जांच कराने की मांग की। कहा1कि खनन क्षेत्र में सभी खनन पट्टाधारक खनन मद में प्रतिवर्ष करोड़ो का राजस्व सरकार को जमा कर देते हैं। वही खनन न्यास खनन क्षेत्र में खनन प्रभावितों को हुए नुकसान और खनन क्षेत्र मे हुए नुकसान हेतु खनन न्यास से खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास हेतु बजट की स्वीकृति होती है। पर खनन विभाग द्वारा मनमाने तरीके से खनन क्षेत्रों से बाहर जहां खनन क्षेत्र नही है वहां पैसा खर्च कर नियमों को ताक में रखकर मनमाने तरीके से न्यास की धनराशि का दुरुपयोग किया है।

बंद विद्यालय में सपा ने मनाया शिक्षक दिवस, शिक्षा के मुद्दे पर गरमाया माहौल

शिक्षकों का सम्मान कर विद्यालय खोलने की उठी मांग, तहसीलदार-एसडीएम व पुलिस टीम पहुंची

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश तथा पार्टी के प्रदेशव्यापी आह्वान पर शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को ग्राम न्यूरिया मल्लपुर, बख्तापुर और कुलवागाड़ स्थित बंद पड़े प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों का सम्मान करने के साथ ही बंद विद्यालयों को दोबारा संचालित कराने की मांग जोरदार तरीके से उठाई गई। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं 129 विधानसभा क्षेत्र पूरनपुर से सपा नेता राजकुमार 'राजू' ने कहा कि विद्यालय पर ताला लगा होना बच्चों के भविष्य के साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से बंद पड़े विद्यालयों को तत्काल खुलवाकर नियमित शिक्षण व्यवस्था शुरू कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का अधिकार है और किसी विद्यालय का लंबे समय तक बंद रहना गंभीर चिंता का विषय है। समाजवादी पार्टी बच्चों, युवाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों की स्थिति पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। बंद विद्यालयों को जल्द खोलकर बच्चों की पढ़ाई सुचारु कराई जानी चाहिए। पूर्व शिक्षक ओम शर्मा ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य की नींव होता है। विद्यालय बंद रहने से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है।

प्रशासन को बच्चों के हित को प्राथमिकता देते हुए विद्यालय का संचालन शीघ्र शुरू कराना चाहिए। सपा नेता कौशल वाजपेयी ने भी भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए उसे शिक्षा विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि सरकार को शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। कार्यक्रम की सूचना मिलने पर तहसीलदार, उपजिलाधिकारी, कोतवाल समेत पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम को रोकने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई। इस दौरान सपा नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच कार्यक्रम को लेकर बातचीत भी हुई। सपा नेताओं ने कहा कि शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान करना और बच्चों की शिक्षा से जुड़े सवाल उठाना लोकतांत्रिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है।इस मौके पर विधानसभा महासचिव निशान मियां, सतीश वर्मा, अहीद खान, शिवम यादव, ठाकुर प्रसाद, आरिफ खान, सत्यनारायण, सत्यदेव मौर्य, गोपी सिंह, रंजीत सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बदहाल शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष वाहिनी बागेश्वर का हल्ला बोल

बागेश्वर (वेलकम इंडिया)। अपनी दस सूत्रीय मांगों में शिक्षा विभाग पर आवश्यक कार्रवाई नही होने से नाराज बागेश्वर संघर्ष वाहिनी ने सीईओ कार्यालय में धरना प्रदर्शन किया। पूर्व में अपनी लंबित मांगो पर अब तक कार्रवाई नही होने और विभाग द्वारा संतोषजनक समाधान नही किए जाने से नाराज होकर मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अपना हल्ला बोल अभियान शुरू कर दिया है।संघर्ष वाहिनी जिलाध्यक्ष कवि जोशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विभाग में नारेबाजी की।और विभाग से जल्द पूर्व में दिए गए मांगो को पूरा करने की मांग उठाई। जिसके बाद संघर्ष वाहिनी कार्यकर्ताओ को सीईओ विनीत कुमार ने वार्ता हेतु बुलाया। इस दौरान 10 सूत्रीय मांगों पर सार्थक वार्ता हुई। और सीईओ ने 15 दिनों में ठोस कार्यवाही शुरू करने का आश्वासन दिया। जिसके बाद वाहिनी द्वारा अपना आंदोलन 15 दिनों के लिए स्थगित कर दिया।वाहिनी अध्यक्ष कवि जोशी ने जनहित में सभी लंबित मांगो को तय समय मे मिले आश्वासन के आधार पर पूर्ण नही करने पर पुनः उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में संघर्ष वाहिनी बागेश्वर, से जुड़े अंकुर उपाध्याय,विनोद थापा, नवनीत बिष्ट जिला महामंत्री (संगठन) ,रमेश पांडे(कृषक) नवीन चौबे, वीरेंद्र नेगी, महेश कालाकोटी, रिजवान खान, संस्कार भारती, राहुल कुमार, चेतन बोरा आदि मौजूद थे।

काम में लापरवाही और अभद्रता पर जिला पंचायत सख्त, तीन ठेकेदारों की फर्में डिबार घोषित की

खराब निर्माण, समय पर काम पूरा न करने और अभियंता से कथित अभद्रता पर कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जिला पंचायत पीलीभीत ने निर्माण कार्यों में लापरवाही और अनुशासनहीनता को लेकर तीन निर्माण फर्मों के खिलाफ जिला पंचायत के प्रमुख अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई की है। अलग-अलग मामलों में जीशान कांट्रेक्टर एंड सप्लायर्स के जीशान , जीबी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स की उषा देवी और विनायक कंस्ट्रक्शन के अंकित मिश्रा को जिला पंचायत की निविदा प्रक्रिया से अग्रिम आदेश तक प्रतिबंधित यानी डिबार कर दिया गया है। एक मामले में संबंधित फर्म के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला पंचायत के आदेश के मुताबिक जीशान कांट्रेक्टर एंड सप्लायर्स को पूरनपुर क्षेत्र के पटिहन से जोगराजपुर पेंटिंग मार्ग तथा अमरिया क्षेत्र में ढकिया स्थित हीरा सिंह के घर से विमला कॉलोनी संपर्क मार्ग तक हॉटमिक्स लेपन का काम दिया गया था। अनुबंध के अनुसार कार्य निर्धारित समय में पूरा होना था, लेकिन सड़क बनने के कुछ समय बाद ही कई स्थानों पर पैच पड़ने की शिकायत सामने आई। संबंधित अवर अभियंता की ओर से फर्म को कई बार कार्य सही कराने के निर्देश दिए गए।इसके बावजूद सुधार नहीं होने पर विभाग ने वर्ष 2024 से 2026 के बीच कई पत्र और अंतिम नोटिस जारी किए। आदेश में कार्य संतोषजनक न पाए जाने पर फर्म को जिला पंचायत की निविदा प्रक्रिया से अग्रिम आदेश तक डिबार कर दिया गया। वहीं जीबी कंस्ट्रक्शन एंड सप्लायर्स के प्रतिनिधि आकाश उर्फ नरेंद्र कुमार पर भुगतान के संबंध में बातचीत के दौरान प्रभारी अभियंता के साथ कथित तौर पर अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने और धमकी देने का आरोप लगाया गया। जिला पंचायत के आदेश में घटना को गंभीर मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। फर्म को तत्काल प्रभाव से निविदा प्रक्रिया से प्रतिबंधित करने के साथ ही संबंधित फर्म के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए पुलिस को निर्देशित किया गया है। तीसरी कार्रवाई विनायक कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर अंकित मिश्रा के खिलाफ हुई है। फर्म को जिला पंचायत परिसर में मरम्मत एवं आरसीसी छत निर्माण का कार्य सौंपा गया था। निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद काम शुरू नहीं कराया गया। आदेश में कहा गया है कि कार्यालय की जर्जर छत से बारिश के दौरान पानी रिसने के कारण फर्नीचर, कंप्यूटर, प्रिंटर और अभिलेखों को नुकसान का खतरा बना हुआ है। फर्म को कई बार कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए, लेकिन इसके बावजूद काम शुरू नहीं हुआ।

हाईवे पर आवारा पशुओं के आतंक पर 'नेकी की दीवार' ने उठाई आवाज

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। स्टेट हाईवे और प्रमुख मार्गों पर सड़कों के बीच घूम रहे आवारा पशुओं के कारण लगातार बढ़ रहे हादसों की आशंका को लेकर सामाजिक संस्था नेकी की दीवार, पूरनपुर ने गंभीर चिंता जताई है। संस्था की ओर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर हाईवे पर आवारा पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है।संस्था ने अपने पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न स्टेट हाईवे एवं प्रमुख मार्गों पर बड़ी संख्या में आवारा पशु, विशेषकर गाय एवं अन्य मवेशी, कई बार झुंड के रूप में सड़क पर घूमते दिखाई देते हैं। रात के समय यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है। तेज रफ्तार से आने वाले वाहन चालकों को अचानक सड़क पर पशु दिखाई देने से उन्हें ब्रेक लगाने या दिशा बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे गंभीर सड़क दुर्घटना की स्थिति पैदा हो सकती है।नेकी की दीवार ने स्पष्ट किया कि दुर्घटना होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय हादसों की आशंका को पहले ही रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। संस्था ने हाईवे पर नियमित पेट्रोलिंग एवं निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि सड़क पर घूम रहे पशुओं को तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा सके।पत्र में यह भी मांग की गई है कि जिन हाईवे का संचालन एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी अथवा किसी अन्य एजेंसी या ठेकेदार के अधीन है, वहां संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी और पेट्रोलिंग व्यवस्था स्पष्ट रूप से तय की जाए। संवेदनशील एवं दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी और चेतावनी संकेत लगाए जाने की भी मांग की गई है। संस्था ने रात के समय हाईवे पेट्रोलिंग को प्रभावी बनाने, पशुओं को सुरक्षित तरीके से पकड़कर निर्धारित गोशाला या सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने के लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने तथा लगातार लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों अथवा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की मांग की है। संस्था ने कहा कि उसका उद्देश्य किसी विभाग या व्यक्ति पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि मानव जीवन और पशुओं दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री से प्रदेश स्तर पर प्रभावी दिशा-निर्देश जारी कर हाईवे से पशुओं को हटाने और नियमित निगरानी की जिम्मेदारी तय करने की अपील की गई है।

शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन को किया नमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। अमरिया ब्लॉक संसाधन केंद्र पर शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस दौरान उपस्थित शिक्षकों एवं अतिथियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया।कार्यक्रम की शुरूआत कंपोजिट विद्यालय में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी दिनेश सिंह तथा प्रधान एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष मिन्हाज उद्दीन खां सहित अन्य शिक्षकों ने उनके जीवन एवं शिक्षा के प्रति समर्पण पर प्रकाश डाला।शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री शिक्षक पुरस्कार से शिक्षकों को सम्मानित किए जाने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। शिक्षकों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखा और सम्मानित होने वाले शिक्षकों के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी दिनेश सिंह ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य को दिशा देने का कार्य भी करते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन कंपोजिट विद्यालय भंगा मोहम्मदगंज के शिक्षक प्रवीन शुक्ला ने किया।इस अवसर पर मुकेश कुमार, नरेश गंगवार, कोऑर्डिनेटर वैभव, लेखाकार, शिक्षक राजेंद्र गंगवार, इरशाद अहमद, नसीम अहमद सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

शास्त्री घाट से कचहरी तक गरजा सवर्ण समाज, यूजीसी और आरक्षण सुधार की मांग को लेकर निकाली विशाल रैली

संतोष कुमार सिंह/वेलकम इंडिया

वाराणसी। यूजीसी से जुड़ी मांगों और आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर शास्त्री घाट पर पिछले आठ दिनों से चल रहा आंदोलन शनिवार को बड़े प्रदर्शन में बदल गया। लगातार शांतिपूर्ण धरने के बाद आंदोलनकारियों ने अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए शास्त्री घाट से कचहरी स्थित जिला मुख्यालय तक विशाल रैली निकाली। करणी सेना के पूर्वांचल प्रभारी अविनाश मिश्रा के नेतृत्व में सवर्ण समाज और छत्तीस बिरादरी के लोगों ने रैली में भाग लिया। हाथों में मांगों से जुड़े संदेश और नारे लिखी तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारी शास्त्री घाट से कचहरी की ओर रवाना हुए। रैली वरुणा पुल होते हुए जिला मुख्यालय पहुंची। कचहरी स्थित जिला मुख्यालय पहुंचने के बाद आंदोलनकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी सतेंद्र कुमार से मुलाकात कर अपनी मांगों को विस्तार से रखा। जिलाधिकारी ने आंदोलनकारियों की बात सुनी और उनकी मांगों को उचित माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया। अविनाश मिश्रा ने कहा कि पिछले आठ दिनों से आंदोलनकारी शांतिपूर्ण तरीके से शास्त्री घाट पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से रैली निकाली गई है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाता, तब तक लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आंदोलन जारी रहेगा। जिलाधिकारी से वार्ता के बाद आंदोलनकारी कचहरी चौराहे से होते हुए वापस शास्त्री घाट पहुंचे। वहां आंदोलन स्थल पर आगे की रणनीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि आठ दिनों से चल रहा शांतिपूर्ण धरना अब प्रशासन के संज्ञान में पहुंच चुका है और आगे की दिशा सरकार की कार्रवाई पर निर्भर करेगी। रैली में साधना सनातन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सौरभ मौर्य, निर्भय क्रांति की राजश्री सोनी, शुभम सिंह, शिवम पांडेय, अमित राय, यथार्थ सिंह, बृजेश मिश्रा, शैलेंद्र सिंह, शशि राणा, विजय सिंह राणा, विवेक सिंह, अम्बरीश सिंह सहित हिंदू युवा शक्ति के कार्यकर्ता और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे। आंदोलनकारियों ने कहा कि वे किसी टकराव के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने वाले भी नहीं हैं। उनका कहना है कि मांगों के समाधान के लिए उनका संघर्ष शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से आगे भी जारी रहेगा।

वाराणसी के आदित्य पांडेय का यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स, सिडनी में चयन

संतोष कुमार सिंह/वेलकम इंडिया

वाराणसी। जिले के भतसार गांव निवासी आदित्य पांडेय ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स में बीटेक के लिए हुआ है, जहां वह इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करेंगे। आदित्य ने भारत और विदेश की कई प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाएं क्वालीफाई की हैं। भारत में उन्हें कई आईआईटी में प्रवेश के अवसर मिले, लेकिन उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स को चुना। उन्होंने सिडनी यूनिवर्सिटी, मेलबर्न यूनिवर्सिटी, कर्टिन यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, बिट्स पिलानी, वीआईटी सहित कई संस्थानों की प्रवेश परीक्षाएं भी उत्तीर्ण की हैं। पढ़ाई के साथ आदित्य कराटे, समस्या समाधान और आध्यात्मिक गतिविधियों में भी रुचि रखते हैं। वह परिवार की जिम्मेदारियों में भी सहयोग करते हैं। आदित्य ने बताया कि वह विदेश से आधुनिक तकनीक और ज्ञान हासिल कर भविष्य में उसका उपयोग भारत के विकास के लिए करना चाहते हैं।

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अनुशासित दिनचर्या और बेहतर नोट्स तैयार करने को दिया। आदित्य ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान वह पढ़ी गई प्रत्येक महत्वपूर्ण चीज के संक्षिप्त और सटीक नोट्स तैयार करते थे तथा उनका दो-तीन बार पुनरावलोकन करते थे। इससे परीक्षा के समय मानसिक दबाव कम करने और गलतियों से बचने में काफी मदद मिली। आदित्य की सफलता पर उनके दादा परमानंद पांडेय ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि बेटे ने परिवार का नाम रोशन किया है और उनकी कामना है कि आदित्य भविष्य में देश के लिए बेहतर कार्य करें।

शिक्षक दिनकर चौहान ने बढ़ाया जिले का मान, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर सरकारी विद्यालय की तस्वीर बदलने वाले विकास खंड क्षेत्र के गांव गंगेरू स्थित प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 के प्रधानाध्यापक दिनकर चौहान ने जनपद का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया है। शिक्षक दिवस के अवसर पर गोरखपुर में आयोजित समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संयुक्त रूप से दिनकर चौहान को राज्य शिक्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रदेश स्तर पर सम्मान मिलने से विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। प्रधानाध्यापक दिनकर चौहान ने विद्यालय में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया। उनके अथक प्रयासों का परिणाम रहा कि विद्यालय में 117 नए बच्चों का नामांकन कराया गया। यह उपलब्धि जनपद में एक रिकॉर्ड के रूप में सामने आई। खास बात यह रही कि नामांकन अभियान में बालिकाओं की शिक्षा को भी प्राथमिकता दी गई और विद्यालय में 50 प्रतिशत से अधिक बालिकाओं का नामांकन सुनिश्चित कराया गया।दिनकर चौहान ने अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें सरकारी विद्यालयों में मिलने वाली सुविधाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की जानकारी दी। इसके साथ ही बच्चों को विद्यालय से जोड़ने के लिए पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। विद्यालय में विभिन्न शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया गया। नियमित उपस्थिति, स्वच्छता, अनुशासन और बेहतर शैक्षिक वातावरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

खाते से 99 हजार रुपये गायब, उपभोक्ता ने बैंक प्रबंधक को दी तहरीर

बुगरासी। कस्बे के इंडियन बैंक की शाखा में एक उपभोक्ता के खाते से 99 हजार रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित अली मोहम्मद ने बैंक प्रबंधक को तहरीर देकर मामले की जानकारी दी। अली मोहम्मद के अनुसार, 4 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 1:09 बजे उनके बैंक खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए गए। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं यह रकम नहीं निकाली। बैंक प्रबंधक ने बताया कि खाते से निकाली गई रकम की जानकारी संबंधित पोर्टल पर दर्ज कर दी गई है और उपभोक्ता को साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी गई है। पीड़ित के मुताबिक, उन्होंने साइबर क्राइम थाना हापुड़ पहुंचकर भी मामले की जानकारी दे दी है। साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़ित को जल्द कार्रवाई कर रकम वापस दिलाने का प्रयास करने का आश्वासन दिया है। पुलिस साइबर ठगी से जुड़े आरोपियों की जानकारी जुटा रही है।

शिक्षक सम्मान समारोह में 125 शिक्षकों का हुआ सम्मान

शैक्षिक गुणवत्ता और स्तरोन्नयन में योगदान देने वाले 116 कार्यरत व नौ सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया गया सम्मानित

संतोष कुमार सिंह/वेलकम इंडिया

वाराणसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, शाखा काशी विद्यापीठ वाराणसी की ओर से शैक्षिक संगोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह एवं पदाधिकारी रहे। समारोह में मुख्य अतिथि रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल और विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या रहीं। खंड शिक्षा अधिकारी स्कंद गुप्त भी मौजूद रहे। समारोह में 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए नौ शिक्षकों तथा विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता और स्तरोन्नयन के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले 116 कार्यरत शिक्षकों, कुल 125 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त शिक्षकों को अंगवस्त्र, श्रीमद्भगवद्गीता, तुलसी की माला और कलम भेंट की गई, जबकि कार्यरत शिक्षकों को मेडल, कलम एवं अन्य सम्मान सामग्री प्रदान की गई। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील पटेल, पूनम मौर्या, संघ अध्यक्ष सनत कुमार सिंह और खंड शिक्षा अधिकारी स्कंद गुप्त के हाथों सम्मान पाकर शिक्षकों में उत्साह देखने को मिला। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निमार्ता होता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार, अनुशासन और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों के प्रयास सराहनीय हैं। संगोष्ठी में शिक्षक हितों के साथ शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। समारोह ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के प्रति सम्मान और कार्यरत शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना के साथ शिक्षक समाज में नई ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरोज पांडेय और अंजू चौबे ने किया।

सहारनपुर की सदियों पुरानी मस्जिद का ध्वस्तीकरण बेहद शर्मनाक: मो0 अरशद खान

एन.के.शर्मा

सहारनपुर में सदियों पुरानी मस्जिद को जिला प्रशासन द्वारा ध्वस्त किए जाने की खबर बेहद चिंताजनक, निंदनीय और लोकतांत्रिक भारत की आत्मा को झकझोर देने वाली है। यदि यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर की गई है, तो सरकार को देश की जनता के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि इतनी पुरानी धार्मिक इमारत को गिराने की आवश्यकता क्यों पड़ी और इसके लिए कौन-सी कानूनी एवं न्यायिक प्रक्रिया अपनाई गई।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भाजपा सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि बुलडोजर चलाकर किसी समुदाय की आस्था और संविधान में उसके विश्वास को नहीं कुचला जा सकता। उन्होंने कहा कि आखिर भाजपा चाहती क्या है? क्या सरकार का काम लोगों को सुरक्षा देना है या धार्मिक स्थलों को लेकर भय का माहौल पैदा करना? अगर किसी मस्जिद को लेकर कोई कानूनी विवाद था, तो उसका फैसला अदालत में होना चाहिए था। प्रशासनिक ताकत के बल पर सदियों पुरानी धार्मिक विरासत को मिटा देना लोकतांत्रिक व्यवस्था की गंभीर अवमानना है। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत का मुसलमान इस देश का बराबर का नागरिक है। उसने भी देश की आजादी, तरक्की और निर्माण में योगदान दिया है। संविधान ने किसी नागरिक को उसके धर्म के आधार पर कमतर अधिकार नहीं दिए हैं। इसलिए मुसलमानों को डराने, उनकी धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने या उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की किसी भी कोशिश का समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर नफरत की राजनीति देश को कमजोर करेगी। भाजपा सरकार को यह याद रखना चाहिए कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन संविधान और देश की एकता स्थायी होनी चाहिए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन मस्जिदें, मंदिर, गुरुद्वारे, चर्च और भारत की साझा गंगा-जमुनी संस्कृति इस देश की विरासत हैं। बुलडोजर से इमारत गिराई जा सकती है, लेकिन किसी नागरिक के संवैधानिक अधिकार और उसकी आस्था को नहीं गिराया जा सकता। मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि सहारनपुर की घटना का पूरी दुनिया में गलत संदेश जाएगा। भारत हमेशा से अनेकता में एकता, धार्मिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए जाना जाता रहा है। ऐसी कार्रवाई भारत की उस महान परंपरा पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने मांग की कि सहारनपुर में मस्जिद गिराए जाने की तत्काल उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। कार्रवाई का लिखित आदेश और उसका कानूनी आधार सार्वजनिक किया जाए। मस्जिद से संबंधित ऐतिहासिक एवं राजस्व अभिलेख सार्वजनिक किए जाएं। यदि कार्रवाई में कानून या न्यायिक प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है तो जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। प्रभावित मुस्लिम समुदाय को न्याय और उचित कानूनी संरक्षण दिया जाए। भविष्य में किसी भी धार्मिक स्थल पर कार्रवाई से पहले संविधान, कानून और न्यायालय के आदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। अंत में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि यह देश किसी एक धर्म के लोगों की जागीर नहीं है। भारत पर हर भारतीय का बराबर अधिकार है। भाजपा सरकार अगर लोकतंत्र और संविधान में विश्वास करती है तो उसे जवाब देना होगा कि सहारनपुर की सदियों पुरानी मस्जिद को किस कानून के तहत गिराया गया। जनता जवाब मांग रही है और सरकार को जवाब देना पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता दीप्ति शर्मा का जन्मदिन समारोह, वरिष्ठ अधिवक्ता इरशाद अहमद समेत साथी अधिवक्ताओं ने दी शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में शनिवार को एक खुशनुमा और यादगार अवसर देखने को मिला, जहां अधिवक्ता दीप्ति शर्मा का जन्मदिन साथियों और सहकर्मियों की मौजूदगी में उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस खास मौके का आयोजन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता मोहम्मद इरशाद अहमद की ओर से किया गया। जन्मदिन समारोह के दौरान केक काटकर अधिवक्ता दीप्ति शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में अधिवक्ता आलोक वाजपेयी, पुनीत शर्मा, डेजी दास, सुनील गोस्वामी समेत कई साथी और सहकर्मी मौजूद रहे। सभी ने दीप्ति शर्मा के उज्ज्वल भविष्य, सफलता और बेहतर स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट परिसर में कुछ पल के लिए पेशेवर माहौल दोस्ती, अपनापन और सौहार्द में बदल गया। साथी अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं और इस खास दिन को यादगार बनाया। द सत्य न्यूज हिंदी की ओर से भी अधिवक्ता दीप्ति शर्मा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। ईश्वर से कामना है कि उनका आने वाला जीवन खुशियों, सफलता और नई उपलब्धियों से भरा रहे और वे अपने पेशेवर जीवन में लगातार ऊंचाइयां हासिल करती रहें।

शिक्षक दिवस पर शिक्षक पदाधिकारियों ने किया रक्तदान, दिया संदेश रक्तदान को बनाएं सामाजिक जिम्मेदारी

संतोष कुमार सिंह/वेलकम इंडिया

वाराणसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ शिक्षक नेता सनत कुमार सिंह के नेतृत्व में शिक्षक पदाधिकारियों ने राजकीय चिकित्सालय कबीर चौरा में रक्तदान किया। इस दौरान शिक्षकों ने रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी बनाने का संदेश देते हुए लोगों को इसके लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संघ के मंत्री अनूप सिंह, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार, ऑडिटर राजेश सिंह, संगठन मंत्री विजय लाल गुप्ता और उपाध्यक्ष ललित सिंह सहित अन्य शिक्षक पदाधिकारी मौजूद रहे। सनत कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है और मानवता की सच्ची सेवा है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त देकर उसका जीवन बचाया जा सकता है, लेकिन आज भी लोगों के मन में रक्तदान को लेकर झिझक और संकोच है। इस भ्रांति को दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षक साथियों से अपील की कि देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के साथ रक्तदान को भी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनाएं। स्वस्थ एवं सक्षम लोग नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंदों की मदद करें।

पत्नी की पिटाई के आरोप में पूर्व विधायक गुड्डू पंडित पर एफआईआर

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। पत्नी से मारपीट के आरोप में पूर्व विधायक गुड्डू पंडित के खिलाफ नगर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने उनकी पत्नी अर्चना पंडा की तहरीर पर मारपीट और गाली-गलौज की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरअसल, पूर्व विधायक गुड्डू पंडित और उनकी पत्नी अर्चना पंडा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में दोनों के बीच विवाद और मारपीट होती दिखाई दे रही है। इसमें गुड्डू पंडित पत्नी के बाल पकड़कर मारपीट करते नजर आ रहे हैं, जबकि अर्चना पंडा भी झाड़ू से हमला करती दिख रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने अर्चना पंडा की तहरीर पर कार्रवाई की। सीओ सिटी प्रखर पांडेय ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक दिवस पर इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी सृष्टि ने 32 शिक्षकों को किया सम्मानित

शिक्षा, संस्कार और समाज निर्माण में योगदान के लिए शिक्षकों को प्रदान किए सम्मान पत्र व स्मृति चिह्न

संतोष कुमार सिंह/वेलकम इंडिया

वाराणसी। शिक्षक दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी सृष्टि की ओर से सिटी प्राइड मोंटेसरी स्कूल, अन्नपूर्णा शाखा में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के 32 समर्पित एवं कर्मठ शिक्षकों को सम्मान पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर शिक्षा, संस्कार एवं समाज निर्माण में उनके योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में क्लब की पूर्व अध्यक्ष सोनिया ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व का निर्माण कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की दिशा भी प्रदान करते हैं। विद्यालय के निदेशक एवं अध्यक्ष सैयद रजीउद्दीन ने शिक्षकों के समर्पण, मेहनत और निष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय की सफलता और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रधानाचार्या यामिनी अग्रवाल को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी सृष्टि की सचिव स्नेहा गुप्ता, इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी एलाइट की अध्यक्ष यमुना और सचिव रजनी मौजूद रहीं। विद्यालय की ओर से डिप्टी डायरेक्टर फिरदौस सिद्दीकी और प्रधानाचार्या यामिनी अग्रवाल उपस्थित रहीं। समारोह में आफरीन जहरा, तंजीला बेगम, रहीबा परवीन, जीनत हया, तमन्ना नसीम, तूशिबा खान, हर्ष सिंह, नूरी अक्सा, हैदा परवीन, शालू गुप्ता, आयुषी, नैना खन्ना, नीतू यादव, शिफा, शमा परवीन और मीनाक्षी चौरसिया सहित अन्नपूर्णा, लल्लापुरा और सिगरा शाखाओं के शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। समारोह शिक्षक समुदाय के प्रति आदर और आभार की भावना को समर्पित रहा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आई 96 शिकायतों में से सिर्फ तीन का निस्तारण

बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस का तहसील पर प्रदर्शन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तहसील में उप जिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार की अध्यक्षता में तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 96 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।संपूर्ण समाधान दिवस पर 22 पुलिस विभाग,50 राजस्व विभाग, 24 अन्य विभाग की समस्याएं आई जिनमें से तीन समस्याओं का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।

इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन और पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा के नेतृत्व में दिन प्रतिदिन रोजमर्रा की चीजो की बढ़ती महंगाई चीनी के मूल्य में बेहताशा बढ़ोतरी को कांग्रेस कार्यकताओं ने धरना प्रदर्शन कर लेकर राज्यपाल महोदय के नाम नाम एसडीएम मोदीनगर को ज्ञापन सौपा। कांग्रेस के कार्यकर्ता बढ़ती महंगाई और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस मैं पहुंच कर नारेबाजी और धरना प्रदर्शन किया।

शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन, पीसीसी सदस्य सुनील शर्मा ने कहा कि पेट्रोल डीजल सीएनजी और एलपीजी और पीएनजी की दिन प्रतिदिन मूल्य बढ़ोतरी से आमजन की आर्थिक रूप से महंगाई के कारण कमर टूट चुकी है गरीब और गरीब होता जा रहा है और अमीर और अमीर हो रहा है जिससे असमानता बढ़ने के कारण देश में अपराध बढ़ रहे हैं। पूरे प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है। किसानों को राहत देने के लिए गन्ने का मूल्य 800 प्रति कुंतल के हिसाब से किसानों को गन्ने का भाव मिलना चाहिए। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष मोदीनगर चांद वीर चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष गोविंदपुरी राकेश सोनी, संजय कौशिक, देवेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष भिखारी लाल कश्यप, सुभाष चंद्र शर्मा,सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा अपने शिक्षकों के सम्मान एवं आभार के लिए एक भव्य और भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए इस दिन को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधन की ओर से रितु गोयल मैम, संदीप रोहिल्ला,मीनू मैम एवं उप-प्रधानाचार्या शिखा गोयल ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके समर्पण, मेहनत और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत, नृत्य एवं मनोरंजक गतिविधियाँ प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर संदीप रोहिल्ला ने अपने प्रेरणादायक संबोधन से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा कि एक शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक और राष्ट्र के भविष्य का निमार्ता होता है। उन्होंने सभी को निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों के अथक परिश्रम एवं विद्यालय के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षकों का योगदान किसी भी विद्यालय की सफलता की सबसे मजबूत नींव है।

भाजपा के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी का किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी का शनिवार कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ललित त्यागी, जिला उपाध्यक्ष शिव अग्रवाल एवं प्रवीण त्यागी ह्यभूरू प्रधानह्न ने विनोद त्यागी का पुष्पमाला पहनाकर एवं सम्मानित कर अभिनंदन किया।

इस दौरान उपस्थित कार्यकताओं ने नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, संगठनात्मक क्षमता एवं सक्रिय नेतृत्व से पार्टी संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एहसास महिला समिति ने 25 वर्ष से अधिक समय से शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित शिक्षिकाओं को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रही शिक्षिकाओं के समर्पण एवं योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से एहसास महिला समिति द्वारा दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।समिति की ओर से विद्यालय की उन शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने जीवन के 25 वर्ष या उससे अधिक समय शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित किए हैं।

इस अवसर पर शिक्षिकाओं को सम्मान-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके उल्लेखनीय योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।सम्मानित शिक्षिकाओं में सुश्री शबनम भारद्वाज (30 वर्ष), डॉ. पूनम गुप्ता (28 वर्ष), सुश्री अनुराधा गुप्ता (28 वर्ष), सुश्री मुनीष राठी (27 वर्ष) एवं सुश्री पूनम सिंह (25 वर्ष) शामिल रहीं। समारोह के दौरान दयावती मोदी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य वी. के. राणा तथा एहसास महिला समिति की मुख्य सदस्य श्रीमती अर्चना आहूजा को भी उनके उल्लेखनीय योगदान एवं सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एहसास महिला समिति की अध्यक्ष डॉ. गुरमीत गुप्ता ने कहा कि ह्लस्वयं एक शिक्षिका होने के नाते मैं शिक्षकों के समर्पण, मेहनत और जिम्मेदारियों को भली-भांति समझती हूं। एहसास महिला समिति की चेयरपर्सन श्रीमती अनुप्रीत कौर ने कहा कि ह्लसमिति का उद्देश्य समाज में उन लोगों के योगदान को पहचानना और सम्मान देना है, जो वर्षों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ समाज के निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं।

डॉल्फिन पब्लिक स्कूल में टीचर्स-डे का किया आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन के जन्मदिवस पर डॉल्फिन पब्लिक स्कूल में टीचर्स-डे का आयोजन किया गया। आयोजन में सभी शिक्षिकाओं को टीचर्स डे की बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में लायन्स क्लब के गणमान्य नीरज त्यागी, रवि तोमर, पंकज, ग्रोवर, अनिल बंसल, अंशु अग्रवाल, दिनेश, शोभित व गौरव मौजूद थे। उन्होंने शिक्षिकाओं रिंकी कंसल, शीतल रावत, पायल जोशी, प्रियंका कंसल, शिवानी, लक्षिता, गरिमा, पल्लवी, प्रार्थना व अजीत सर को सम्मानित किया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने 'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु' गाना गाकर सभी गणमान्यों का स्वागत किया व उन्हें तिलक भी लगाया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन नीरज गर्ग, प्रधानाचार्या ऋतु गर्ग व उपप्रधानाचार्या रिंकी कंसल ने सभी शिक्षिकाओं को 'टीचर्स डे' की बधाई देते हुए उनके तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर गूंजे प्रेरणादायक विचार

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

यह आयोजन विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी,गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए शिक्षकों के प्रति अपना सम्मान एवं आभार व्यक्त किया तथा उनके समर्पण और मेहनत की सराहना की।

सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा अपने प्रेरणादायक शब्दों से उनका उत्साहवर्धन किया। विनोद कुमार माहेश्वरी सदैव विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रेरित करते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं दिशा प्रदान करते हैं।

उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शों को याद करते हुए सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉं में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अनुज गोयल कॉलेज ऑफ लॉं, भोजपुर, मोदीनगर, गाजियाबाद में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। संस्थान के अध्यक्ष सीए० (डा०) अनुज गोयल, संस्थान की डायरेक्टर डा० पूनम गोयल व अन्य पदाधिकारियो ने मॉ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित करके वन्दना की। सीए० (डा०) अनुज गोयल जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश के दूसरे राष्ट्रपति और महान शिक्षक डा० सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयन्ती के उपलक्ष्य में यह शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिन शिक्षको के प्रति कृतज्ञता और सम्मान करने के लिए है।डायरेक्टर डा० पूनम गोयल जी ने कहा कि यह दिन शिक्षको के अमूल्य योगदान और समाज में उनके समर्पण को सम्मानित करने के लिए है। प्रसिद्व एडवोकेट व ट्रस्टी श्री अमन गोयल ने कहा कि शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को गढने, चरित्र निर्माण करने और मूल्यो को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। डा० पूनम गोयल जी ने सभी शिक्षको को शॉल, स्मृति चिह्न व तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया। विधिविभाग के छात्र व छात्राओ में मानवी, चिंकी, भावना, मन्तशा, हिमानी, शिवनी, विधि त्यागी, दीपशिखा और अन्य छात्र व छात्राओ ने अपनी प्रस्तुति दी। शिक्षको ने सभी छात्रो को आर्शीवाद प्रदान किया।

शिक्षक दिवस पर विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से महिला पंजाबी संगठन एवं लायंस क्लब मोदीनगर उड़ान इंटरनेशनल की ओर से विशेष सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसी क्रम में टीम ने विवेक इंटर कॉलेज पहुंचकर विद्यालय के निदेशक एवं विवेक एजुकेशनल सोसायटी की डायरेक्टर मधु सिंघल सहित विद्यालय के अन्य शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को शॉल एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर महिला पंजाबी संगठन की अध्यक्ष डॉ. शालिनी नय्यर ने शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार एवं भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. शालिनी नय्यर स्वयं लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी रही हैं और उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके योगदान के प्रति सदैव सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को पौधा भेंट कर शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर डॉ. शालिनी नय्यर, गीता मोहन अरोड़ा, सपना कुमार, मन्नत कुमार एवं नैना सहित संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

तलाकशुदा पति पर बेटे के अपहरण के प्रयास का आरोप, छह पर रिपोर्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र की महिला ने तलाकशुदा पति पर बेटे के अपहरण का प्रयास करने और देवर समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हिंडन एयरफोर्स स्टेशन निवासी शैली शर्मा ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2020 में उनकी शादी मेरठ निवासी आकाश शर्मा से हुई थी। आरोप है कि पति के अन्य युवतियों से संबंध थे। विरोध करने पर पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने उनके साथ मारपीट की। परेशान होकर वर्ष 202& में वह बेटे कुंज को लेकर अपने पिता के घर आ गईं। बाद में उन्होंने पति से तलाक ले लिया। एक अन्य वाद न्यायालय में विचाराधीन है। शैली का आरोप है कि 1& अगस्त 2026 को आकाश उनके घर पहुंचा और बेटे कुंज को जबरन ले जाने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसने परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपित मौके से फरार हो गया। महिला ने बताया कि 24 अगस्त की रात करीब पौने नौ बजे उनका भाई शुभांक कोचिंग से घर लौट रहा था। रास्ते में वह एक दुकान से सामान खरीदने लगा। आरोप है कि इसी दौरान आकाश और उसके ममेरे भाई गौरव ने शुभांक के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। आरोपितों ने न्यायालय में चल रहा वाद वापस न लेने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

आईटीएस कॉलेज में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान, रंगोली और फैशन शो ने मोहा मन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस कॉलेज, मुरादनगर में शनिवार को शिक्षक दिवस समारोह धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा के मार्गदर्शन में किया गया। समारोह में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को क्लीनिकल और शैक्षणिक गतिविधियों में मार्गदर्शन देने के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को सफलता की राह दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में आईटीएस डेंटल कॉलेज के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, आईटीएस इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड एलाइड साइंसेज के प्रधानाचार्य डॉ. एम. थंगराज, आईटीएस कॉलेज ऑफ फामेर्सी के निदेशक डॉ. एस. सदीश कुमार, सभी विभागों के प्रमुख, शिक्षक और बीडीएस, एमडीएस, बीपीटी एवं फामेर्सी के विद्यार्थी मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ग्रुप डांस, सोलो डांस, गायन, सोलो सिंगिंग, रंगोली और फैशन शो ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता शिक्षकों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कॉलेज प्रबंधन और विद्यार्थियों ने सभी फैकल्टी सदस्यों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सामूहिक भोज का आनंद लिया।

मोबाइल देकर गेम खिलाना पड़ा भारी, खाते से उड़ाए 4.71 लाख

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मोबाइल किसी अनजान व्यक्ति को देना विजयनगर निवासी फूल विक्रेता को भारी पड़ गया। दुकान पर आने वाले युवक ने पहले धीरे-धीरे उससे जान-पहचान बढ़ाई और फिर मोबाइल लेकर गेम खेलने लगा। आरोप है कि इसी दौरान उसके बैंक खाते से करीब 4.71 लाख रुपये विभिन्न खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए गए। करीब एक साल बाद मोबाइल चेक करने पर पीड़ित को ठगी का पता चला। पुराना विजयनगर निवासी मुकेश कुमार फूल बेचने का काम करते हैं। उनकी दुकान पर रामकुमार नाम का व्यक्ति आता था। कुछ समय बाद रामकुमार का बेटा सुमित भी दुकान पर आने लगा। आरोप है कि सुमित मुकेश से मोबाइल लेकर गेम खेलता था और कुछ देर बाद वापस कर देता था। पीड़ित को उस पर कोई शक नहीं हुआ। बाद में सुमित का दुकान पर आना बंद हो गया। एक दिन मुकेश के भांजे कपिल ने मोबाइल चेक किया तो खाते से रकम ट्रांसफर होने के कई संदेश मिले। बैंक से जानकारी लेने पर पता चला कि 25 जून 2025 से 14 जून 2026 के बीच ऑनलाइन लेनदेन के जरिये कुल 4.71 लाख रुपये अलग-अलग खातों में भेजे गए। पीड़ित ने आरोप लगाया कि रकम सुमित, उसकी मां रश्मि, समीर, ईशा त्यागी और बलदेव से जुड़े खातों में ट्रांसफर की गई। उसने सभी के खिलाफ साजिश के तहत रकम हड़पने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

ट्रोनिका सिटी में बैग फैक्टरी बनी आग का गोला, एक दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

ट्रोनिका सिटी की बैग फैक्टरी में भीषण आग, धू-धू कर जला कारखाना

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित कपड़े के बैग बनाने वाली फैक्टरी में शनिवार को अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही ट्रोनिका सिटी फायर स्टेशन से चार दमकल गाड़ियां तत्काल मौके पर भेजी गईं। आग की विकरालता को देखते हुए साहिबाबाद, मोदीनगर, कोतवाली और वैशाली के साथ-साथ नोएडा, बागपत व खेकड़ा से भी दमकल वाहनों को बुलाया गया। देखते ही देखते एक दर्जन से अधिक दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गईं। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि आग फैक्टरी के बड़े हिस्से में फैल चुकी थी और टीन शेड भी गिर गया था।

दमकल कर्मियों ने जेसीबी की सहायता से दीवार तोड़कर करीब 8 से 10 हौज लाइन बिछाईं और लगातार पंपिंग कर आग बुझाने का अभियान चलाया। कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

आरटीओ कार्यालय के बाहर अवैध दुकानों पर चला प्रशासन का डंडा, संदिग्ध व्यक्ति भी हटाया

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) परिसर के बाहर अनधिकृत रूप से दुकानें लगाने और अवैध गतिविधियां करने वालों के खिलाफ शनिवार को कार्रवाई की गई। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) अशोक कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस बल के सहयोग से अभियान चलाकर कार्यालय के बाहर दुकान, ठेला लगाने का प्रयास कर रहे लोगों को मौके से हटाया।

अधिकारियों ने संबंधित लोगों को चेतावनी दी कि भविष्य में परिसर के बाहर किसी भी प्रकार की अनधिकृत दुकान या गतिविधि करते पाए जाने पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कार्यालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण और गश्त भी की गई। निरीक्षण के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति मिलने पर उसे आवश्यक चेतावनी देकर परिसर से बाहर कर दिया गया।

एआरटीओ प्रशासन ने कार्यालय आने वाले लोगों से अपील की कि किसी पटल या काउंटर पर अनावश्यक विलंब, समस्या अथवा परेशानी होने पर तत्काल अधिकारियों को जानकारी दें, ताकि उसका नियमानुसार त्वरित निस्तारण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि परिवहन कार्यालय में पारदर्शी, सुव्यवस्थित और जनहितकारी वातावरण बनाए रखने के लिए अनधिकृत गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

शिक्षक दिवस पर बच्चों के बीच पहुंचीं एसीपी उपासना पाण्डेय, दिया सफलता का गुरुमंत्र

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर 2026 को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली श्रीमती उपासना पाण्डेय ने स्कूली बच्चों के साथ समय बिताया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से सहज संवाद करते हुए उन्हें मेहनत, ईमानदारी और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

एसीपी उपासना पाण्डेय ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने का संदेश दिया। बच्चों ने भी शिक्षक दिवस के मौके पर एसीपी को अपने बीच पाकर उत्साह व्यक्त किया और उनसे विभिन्न सवाल पूछे। उन्होंने बच्चों के सवालों का सरल एवं सहज तरीके से जवाब देते हुए उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान एसीपी ने विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद किया और चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों ने भी इस मुलाकात को यादगार बताया। एसीपी के प्रेरक विचारों से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ।

निटरा के दीक्षांत समारोह में 133 विद्यार्थियों को मिले प्रमाण-पत्र और पदक

टेक्सटाइल सेक्टर में रोजगार व उद्यमिता की संभावनाओं पर जोर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। नॉर्दर्न इंडिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (NITRA) का 21वां दीक्षांत समारोह शनिवार को निटरा परिसर में आयोजित हुआ। समारोह में करीब 133 विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पदक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उद्योगपति संदीप होरा, नितिन नोलखा, राजीव अग्रवाल, विदित जैन और निटरा के महानिदेशक डॉ. एम.एस. परमार समेत अन्य अतिथि मौजूद रहे।

समारोह में 'Employee of the Year' पुरस्कार योगेश तिवारी, नितेश, सत्यनारायण और संजय कुमार को दिया गया।

वहीं 'Faculty of the Year' सम्मान श्रीमती गीता, रमेश चंद यादव और श्रीमती प्रिया त्यागी को प्रदान किया गया। डॉ. परमार ने बताया कि निटरा नियमित और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से परिधान निर्माण, डिजाइनिंग, मर्चेंडाइजिंग व गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्र में प्रशिक्षण दे रहा है।

अब तक 4,000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर प्रतिष्ठित वस्त्र एवं परिधान कंपनियों में रोजगार दिलाया जा चुका है। चेयरमैन ने कहा कि विकसित भारत विजन 2047 में वस्त्र उद्योग की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

साइबर ठगी में डूबे 1.29 लाख रुपये पुलिस ने कराए वापस

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नंदग्राम थाना साइबर सेल पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के शिकार व्यक्ति को बड़ी राहत दिलाई है। पुलिस टीम ने साइबर फ्रॉड में ठगे गए 1,29,300 रुपये वापस कराने में सफलता हासिल की। पुलिस के मुताबिक, ऑफिसर सिटी-1, राजनगर एक्सटेंशन निवासी दिनेश कुमार के साथ साइबर अपराधियों ने कुल 1,50,800 रुपये की ऑनलाइन ठगी की थी। पीड़ित ने 27 मई 2026 को NCRP पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही साइबर सेल टीम ने कार्रवाई करते हुए ठगी की रकम को संबंधित बैंक खातों में होल्ड कराया। पुलिस टीम ने बैंक अधिकारियों से लगातार पत्राचार और आवश्यक कार्रवाई के बाद 5 सितंबर को 1,29,300 रुपये पीड़ित के खाते में वापस करा दिए। रकम वापस मिलने पर दिनेश कुमार ने थाना नंदग्राम पहुंचकर पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस ने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन में सतर्कता बरतने की अपील की है।

पांच साल में ही धंसने लगी स्कूल की फर्श, दीवारों में दरारें

सीडीओ ने निर्माण संस्था को किया तलब

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रेमनगर लोनी स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के भवन की खराब हालत पर मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान भवन की फर्श कई स्थानों पर धंसी मिली, जबकि दीवारों में दरार और सीलन की समस्या भी सामने आई। भवन वर्ष 2019 में माध्यमिक शिक्षा विभाग को हस्तांतरित किया गया था।

सीडीओ ने कम समय में भवन की खराब स्थिति को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संस्था को निर्माण से जुड़ी पूरी पत्रावली और अभिलेखों के साथ 7 सितंबर को उपस्थित होने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका लोनी को मरम्मत कार्य का एस्टीमेट तैयार करने को कहा। छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए क्षतिग्रस्त हिस्सों में आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

निरीक्षण के दौरान प्रोजेक्ट अलंकार के तहत निमार्णाधीन दो कक्षों और दो प्रयोगशालाओं का भी जायजा लिया गया। निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक मिलने पर अधिकारियों को निर्धारित मानकों के साथ कार्य समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए गए।

गुलमोहर एन्क्लेव में फिर आया काला पानी, शिकायतों से मचा हड़कंप

टंकी की सफाई और पानी की गुणवत्ता की दोबारा जांच की मांग

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी में काले और गंदे पानी की समस्या एक बार फिर सामने आई है। उ-1 टावर की निवासी नमिता गुप्ता ने सोसायटी ग्रुप में पानी की तस्वीरें साझा कर शिकायत की। वहीं निवासी अनूप चौहान ने भी काले पानी का वीडियो साझा किया। लगातार शिकायतों के बाद पानी की गुणवत्ता को लेकर निवासियों में चिंता बढ़ गई है।

निवासी गौरव बंसल का आरोप है कि आरडब्ल्यूए से कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। उनका कहना है कि पूर्व में जिलाधिकारी, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और 311 एप पर शिकायत की गई थी, जिसके बाद पानी के सैंपल लिए गए। बंसल के अनुसार, जांच रिपोर्ट में पानी को पीने योग्य नहीं बताया गया था। उन्होंने बताया कि सोमवार को जिलाधिकारी, मेयर और नगर आयुक्त से मिलकर शिकायत की जाएगी।

निवासियों ने टंकियों की तत्काल सफाई, पानी की गुणवत्ता की दोबारा जांच और समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

शिक्षक दिवस मनाने जा रहे सपा नेताओं को पुलिस ने किया गिरफ्तार, जेवर में गरमाई सियासत

कपिल चौहान

जेवर/ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। शिक्षक दिवस के मौके पर जेवर क्षेत्र में सपा नेताओं के कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक माहौल गरमा गया। समाजवादी पार्टी के नेता विकास जतन भाटी और लोकेश भाटी अपने समर्थकों के साथ शिक्षक दिवस मनाने जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोककर समर्थकों समेत गिरफ्तार कर लिया।

बताया गया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर प्रदेश में बंद या मर्ज किए गए प्राथमिक विद्यालयों के आसपास शिक्षक दिवस मनाने का कार्यक्रम प्रस्तावित था। इसी क्रम में जेवर में सपा नेताओं द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाना था।

पुलिस द्वारा रोके जाने के दौरान सपा नेताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। गिरफ्तारी के बाद विकास जतन भाटी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करना और शिक्षक दिवस मनाना यदि अपराध है तो यह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक स्थिति है। घटना के बाद जेवर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस, 170 शिकायतें दर्ज, 14 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शासन के निर्देश पर माह के प्रथम और तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले संपूर्ण समाधान दिवस के तहत शनिवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में जिले की तीनों तहसीलों में जनसुनवाई की गई। इस दौरान कुल 170 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 14 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सदर तहसील में जिलाधिकारी द्वारा नामित अधिकारी अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 45 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से सात शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। लोनी तहसील में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम दीपक सिंघनवाल की अध्यक्षता में जनसुनवाई हुई। यहां 29 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें चार का तत्काल समाधान किया गया। मोदीनगर तहसील में एसडीएम कोमल पंवार की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां सबसे अधिक 96 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। जनसुनवाई के दौरान राजस्व, पुलिस, नगर निगम, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। साथ ही फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा गया।

बालकनी में अटका मिला युवक का शव, ऊंचाई से गिरने की आशंका

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की एटीएस एडवांटेज सोसायटी में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पहली मंजिल स्थित फ्लैट की बालकनी में अटका मिला। आशंका जताई जा रही है कि युवक सोसायटी की ऊपरी मंजिल से नीचे गिरा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसीपी सूर्य बली मौर्य ने बताया कि सुबह करीब नौ बजे एटीएस एडवांटेज सोसायटी में युवक के ऊंचाई से गिरने की सूचना मिली थी। पुलिस जांच में मृतक की पहचान तरुण (35) पुत्र जगदीश प्रसाद, निवासी ज्ञानखंड-3, इंदिरापुरम के रूप में हुई। बताया गया कि तरुण ऊपरी मंजिल से नीचे गिरा और गिरते समय पहली मंजिल की बालकनी में अटक गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।